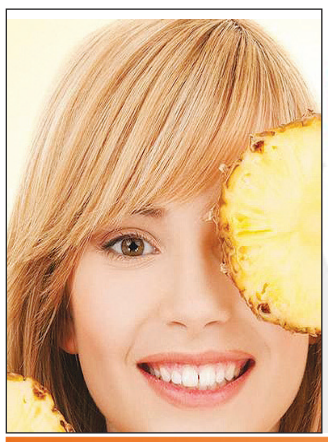

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पिपंल्स, फटी एडिड्यां और होंठों का कालेपन दूर करने में फायदेमंद है पेज: 7

जेलर 2 में होगा ऋतिक रोशन का धमाकेदार कैमियो.... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 81 | मंगलवार 23 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राम मंदिर दान में हेराफेरी? एसआईटी जांच में सामने आया सीसीटीवी और कैश काउंटिंग का सच

नई दिल्ली एजेंसी: अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी और हेराफेरी की जांच कर रही तीन सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) को कई स्तरों पर गंभीर खामियां मिली हैं। खबरों के अनुसार, जांच में दान की नकदी संभालने, कर्मचारियों के वेरिफिकेशन, सीसीटीवी मॉनिटरिंग और मंदिर परिसर से ट्रस्ट ऑफिस और फिर बैंक तक चढ़ावे को ले जाने की प्रक्रिया में लापरवाही की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 13 जून को बनाई गई SIT ने पाया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) राम मंदिर ट्रस्ट के बैंकिंग कामकाज को संभालता है - चढ़ावे के तौर पर मिले नोटों को छांटने, उनकी गड्डियां बनाने और उन्हें गिनने के लिए ज़िम्मेदार था। इस प्रक्रिया के लिए, एइक ने वाराणसी की एक प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी के जरिए कर्मचारियों को काम पर रखा था।

दिल्ली को मिला नया अध्यात्म केंद्र हनुमंत भवन, राजनाथ सिंह ने संस्कृति संरक्षण पर जोर दिया

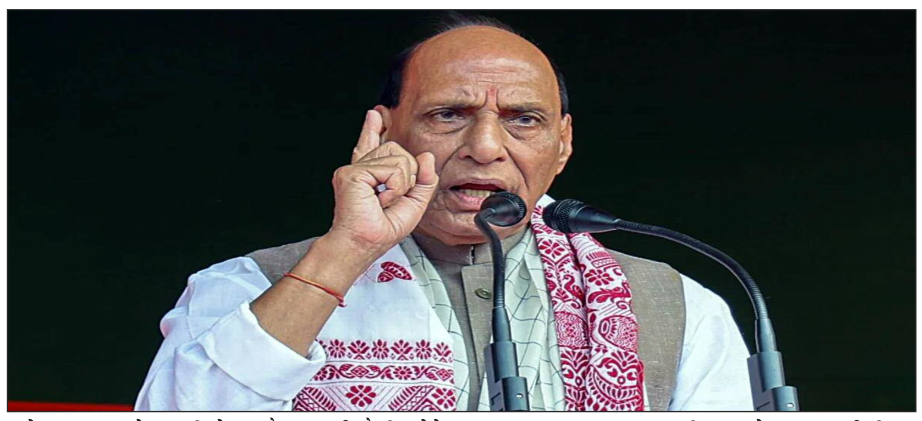

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में हनुमंत भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे सेवा, संस्कृति और आध्यात्मिक शिक्षा का केंद्र बताया और भारत के सभ्यतागत इतिहास में संतों के योगदान पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने उद्घाटन को सम्मान की बात बताया और संत समाज के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हनुमंत भवन का उद्घाटन हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। इस अवसर पर मैं संत समाज को नमन करता हूं। मैं सदाशिव मंदिर ट्रस्ट का आभार व्यक्त करता हूं। संतों की सेवा के लिए समर्पित ऐसी इमारत का उद्घाटन पूरे समाज के लिए लाभकारी है। सिंह ने कहा कि भारत लंबे समय से ऋषियों और आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा भारत मूल रूप से ऋषियों और संतों की तपस्या की भूमि रही है। भारत की पहचान ऋषियों की परंपरा और उन मूल्यों से बनी है जिन्होंने मानवता का रास्ता दिखाया है। राजा भी संतों की सेवा करना सौभाग्य मानते थे। आजादी की लड़ाई में भी संतों ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जगाई। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन का भी ज़िक्र करते हुए कहा कि आजादी के बाद, राम मंदिर आंदोलन में संतों की भूमिका के बारे में सभी जानते हैं। सांस्कृतिक संरक्षण पर सिंह ने कहा कि जिस देश में संतों का सम्मान होता है, वहां की संस्कृति कभी खत्म नहीं होती। यह मठ संतों की सेवा और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भी काम करेगा। यहां वैल्यू कैंप में वैदिक शिक्षा और नैतिक प्रशिक्षण दिया जाता है। सिंह ने शहरी इलाकों में आध्यात्मिक संस्थानों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, दिल्ली जैसे व्यस्त महानगर में लोगों को आध्यात्मिक शांति की जरूरत महसूस होती है। ऐसे में कनखल पीठ का सानिध्य मिलना बहुत महत्वपूर्ण है। शंकराचार्य ने खुद इस पूरी पहल का मार्गदर्शन किया है। मुझे अपने जीवन में कई बार शंकराचार्य परंपरा के सानिध्य में रहने का सौभाग्य मिला है। शिक्षा और सांस्कृतिक एकीकरण के बारे में उन्होंने कहा कि विज्ञान और तकनीक के आज के दौर में, हम विज्ञान को मूल्यों के साथ जोड़ सकते हैं। मैं ट्रस्ट से अनुरोध करता हूँ कि वे विज्ञान और तकनीक की शिक्षा के साथ-साथ योग, ध्यान और संस्कृत जैसे विषयों को शामिल करते हुए नियमित कैंप आयोजित करें। सिंह ने भारत की सांस्कृतिक और विकास से जुड़ी उपलब्धियों का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 साल पूरे होने पर हमने 'सोमनाथ स्वाभिमान उत्सव' मनाया। राम मंदिर, काशी कॉरिडोर और दूसरी पहलों ने देश का गौरव बढ़ाया है। पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशन भी एक अहम कदम है। यह एक नया भारत है जहाँ समाज के हर वर्ग तक सम्मान, अवसर और विकास पहुँच रहा है।

राम मंदिर आंदोलन में उनके योगदान को रेखांकित किया......

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में ह्यहनुमंत भवनह्व का उद्घाटन किया, इसे सेवा, संस्कृति और आध्यात्मिक शिक्षा का केंद्र बताया। उन्होंने राष्ट्र-निर्माण में संतों की ऐतिहासिक भूमिका पर जोर दिया, जिसमें आजादी की लड़ाई और राम मंदिर आंदोलन में उनके योगदान को रेखांकित किया

चुप रहो, बेकार लोग, आखिर क्यों अपनी ही पार्टी के कार्यकताओं पर भड़के मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन पार्टी कार्यकर्ताओं की आलोचना की, जिन्होंने पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के शपथ ग्रहण समारोह में कामकाज में बाधा डाली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थन में 'डीके-डीके' के नारों से साफ तौर पर नाराज होकर, वरिष्ठ नेता ने कार्यकर्ताओं को फटकार लगाई। उन्होंने उन्हें बेकार लोग कहा और याद दिलाया कि यह कार्यक्रम पार्टी का था, न कि किसी एक नेता पर केंद्रित। खड़गे ने तेवर दिखाते हुए कहा कि चुप हो जाओ! बैठ जाओ। ऐसा लग रहा है जैसे पूरा देश तुम्हारे हाथ में आ गया हो। बेकार लोग! इस हंगामे के एक वीडियो में शिवकुमार भीड़ को शांत करने की कोशिश करते दिखे; मुख्यमंत्री खड़े हुए और उन्होंने लोगों से चुपचाप बैठने का इशारा किया। खड़गे ने आगे कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की बैठक है। यह किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं है। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें सभी लोग पार्टी को मजबूत और एकजुट करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। अगर एक व्यक्ति एक नाम चिल्लाता रहे और दूसरा कोई और नाम, तो क्या बाकी लोग यहाँ सिर्फ. कचरा साफ करने आए हैं? कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने रविवार को एक अधिवेशन में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने पार्टी का झंडा सौंपकर हरिप्रसाद को औपचारिक रूप से जिम्मेदारी सौंपी। शिवकुमार ने 2020 से अब तक कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, कांग्रेस महासचिव (कर्नाटक प्रभारी) रणदीप सिंह सुरजेवाला के अलावा कई मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। विधान परिषद सदस्य हरिप्रसाद (71) को तीन जून को केपीसीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें यह पद शिवकुमार के कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी पद से इस्तीफा देने के बाद मिला है। बिल्लव समुदाय से आने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता हरिप्रसाद हाल ही में कर्नाटक विधान परिषद के लिए पुनः निर्वाचित हुए हैं। वह इससे पहले राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं

गिरिराज सिंह का ममता बनर्जी पर तीखा हमला, 'टीएमसी ने बंगाल को लूटकर बर्बाद कर दिया'

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बंटवारे के बाद कांग्रेस ने "तुष्टिकरण की राजनीति" की और बाद में राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया। बंटवारे के समय हुई हिंसा का ज़िक्र करते हुए सिंह ने कहा कि उस दौर में बंगाल को बचाने में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियों की वजह से 1946 के जख्म (डायरेक्ट एक्शन डे के दौरान हुई हिंसा) बने रहे। सिंह ने पत्रकारों से कहा बंटवारे के समय श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल को बचाया था। लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद भी '1946 के जख्म' यानी 'डायरेक्ट एक्शन डे' के नाम पर हिंदुओं का नरसंहार और उन पर हमले जारी रहे। कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की और बंगाल को पूरी तरह से उसके हाल पर छोड़ दिया। आखिरकार, टीएमसी ने लूट-पाट करके इसे लगभग बर्बाद ही कर दिया। अब जब बीजेपी आ गई है, तो वहां के लोग इसे दूसरी आजादी जैसा महसूस कर रहे हैं और जश्न मना रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर फंड से जुड़े कथित विवाद पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा, "ममता बनर्जी, जो खुद को सिर्फ.चप्पल और साड़ी पहनने वाली एक साधारण महिला के तौर पर पेश करती थीं, असल में लूट-खसोट वाले शासन की अगुवाई कर रही थीं, जिसमें उनके मंत्रियों से लेकर नीचे तक के सभी लोग शामिल थे। अब यह बात सबके सामने आ रही है। शनिवार (20 जून) को पश्चिम बंगाल के हुगली ज़िले के तारकेश्वर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि युवा पीढ़ी को 'पश्चिम बंगाल दिवस' के महत्व और राज्य के गठन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने बंटवारे के समय की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस दौरान अविभाजित बंगाल को पाकिस्तान में शामिल करने की कोशिशें की गई थीं। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं ने ऐसी कोशिशों का विरोध किया और इसके खिलाफ जोरदार आवाज उठाई। पीएम मोदी ने कहा हमें आज की पीढ़ी को बार-बार पश्चिम बंगाल दिवस के महत्व के बारे में बताना होगा। युवा पीढ़ी को यह जानना चाहिए

संजय राउत गटर-छाप व्यक्ति! निलेश राणे का दल-बदल के आरोपों पर तीखा पलटवार

मुंबई एजेंसी: शिवसेना विधायक नीलेश नारायण राणे ने शिवसेना (यूटीबी) सांसद संजय राउत के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल होने के पीछे पैसों का लेन-देन हुआ था। एएनआई से बात करते हुए, राणे ने राउत को अपने दावों का सबूत देने की चुनौती दी और उनकी आलोचना करते हुए कहा कि संजय राउत जो कहते हैं, उसे इतना महत्व न दें। क्या उनके पास कोई सबूत है? वे किस आधार पर कह रहे हैं कि पैसे लिए गए? क्या आप हवाला में शामिल थे?ह्व मैं उनके सवालों का जवाब क्यों दूं? वे एक 'गटर-छाप' किस्म के आदमी हैं। राणे की यह टिप्पणी राउत के उन आरोपों के बाद आई है, जिनमें उन्होंने कहा था कि धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर समेत कई बागी सांसदों ने शिवसेना की विचारधारा से गद्दारी की है और पाला बदलने के लिए पैसे लिए हैं। राउत ने पार्टी में हुई इस फूट को महाराष्ट्र को बांटने वाला भी बताया। चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, उद्धव ठाकरे गुट के छह सांसद शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। एक मीडिया ब्रीफिंग में, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने इन छह सांसदों के नाम बताए: संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापूराव पाटिल अष्टिकर। शिंदे ने कहा कि तो हमारे साथ यहाँ 3 संजय हैं। हमारे साथ यहाँ एक और संजय राठौड़ (विधायक) भी हैं। जब हमारे पास यहाँ संजय हैं, तो किसी और संजय के बारे में बात करने की जरूरत नहीं है,

और आप जानते हैं कि मैं किसके बारे में बात कर रहा हूँ। उद्धव ठाकरे के गुट ने पार्टी छोड़कर जाने वाले विधायकों पर पार्टी की विचारधारा और मतदाताओं के जनादेश के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है,

बंगाल का बजट में बीजेपी का मास्टरस्ट्रोक! नया एयरपोर्ट, सुवेंदु अधिकारी बोले- खोई संस्कृति लौटाएंगे

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार के पहले बजट की सोमवार को सुवेंदु अधिकारी ने तारीफ की और इसे राज्य की खोई हुई संस्कृति और सम्मान को वापस लाने की कोशिश बताया। राज्य के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने राज्य में बीजेपी सरकार का पहला बजट पेश किया, जिसमें वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए कुल 4,38,775.29 करोड़ रुपये (नेट) का आवंटन किया गया। कोलकाता में बजट के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि नागरिकों को डर-मुक्त माहौल देना सरकार की प्राथमिकता रही है। अधिकारी ने कहा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए यह बजट राज्य विधानसभा में पेश किया गया। यह बजट पश्चिम बंगाल की खोई हुई संस्कृति और सम्मान को वापस लाने की एक कोशिश है। इस बजट में पश्चिम बंगाल की सुरक्षा, नागरिकों को डर-मुक्त माहौल देने और संस्कृति को पुनर्जीवित करने को प्राथमिकता दी गई है। शिक्षा और कृषि को भी महत्व दिया गया है। राज्य में संविधान को मजबूत करने, सिंडिकेट और जबरन वसूली को रोकने तथा शिल्प और व्यापार के लिए माहौल बनाने पर जोर दिया गया है। इस बजट में किसी भी वर्ग को नजरअंदाज नहीं किया गया है। विधानसभा में अपना पहला बजट पेश करते हुए राज्य सरकार ने कल्याणी के पास एक नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की भी घोषणा की। राज्य के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने कहा, "कोलकाता एयरपोर्ट पर यात्रियों की भारी भीड़ है और इलाके की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कोलकाता में एक दूसरे एयरपोर्ट की जरूरत है। सरकार कोलकाता के पास एक नया ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाने के लिए कल्याणी के पास 1,000-1,500 एकड़ जमीन की पहचान करेगी।

अयोध्या राम मंदिर दान में चोरी! केजरीवाल का आरोप, हर सनातनी दुखी; शुक्रवार को अयोध्या दौरे का किया ऐलान

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या में राम मंदिर से दान और चढ़ावे की कथित चोरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस मामले में कोई कार्रवाई न होने पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। केजरीवाल ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रतीक है और भक्तों द्वारा दिए गए दान में किसी भी तरह की गड़बड़ी गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सवाल किया कि अब तक कोई एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई और पूछा कि सरकार किसे बचाने की कोशिश कर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए, एएपी नेता ने दावा किया कि रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 200 करोड़ नकद दान के साथ-साथ हीरे और अन्य कीमती सामान वाले कई बक्से गायब हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दावों के बावजूद, जांच एजेंसियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। केजरीवाल ने आगे कहा कि न तो उत्तर प्रदेश पुलिस और न ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी केंद्रीय एजेंसियों ने कोई साफ कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश, दोनों जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, फिर भी कथित दोषियों के खिलाफ किसी भी तरह की छापेमारी या कार्रवाई की कोई खबर नहीं है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी से हर सनातनी आहत है। उन्होंने यह भी कहा कि वह शुक्रवार को अयोध्या जाकर श्रीराम मंदिर में दर्शन करेंगे। उनके इस ऐलान के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। इन आरोपों ने एक नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है; एएपी इस मामले की पारदर्शी जांच और मंदिर के फंड से जुड़ी किसी भी गड़बड़ी के लिए जवाबदेही की मांग कर रही है।

लखनऊ कोचिंग में आग: 12 लोग अंदर फंसे, सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश, बचाव अभियान जारी

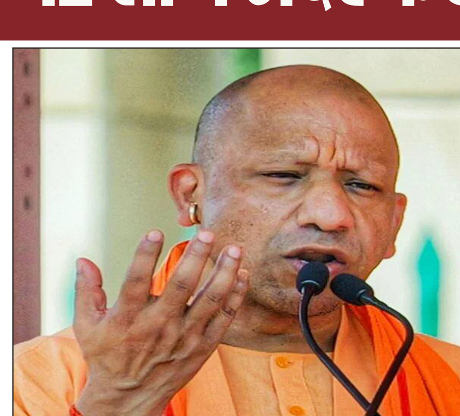

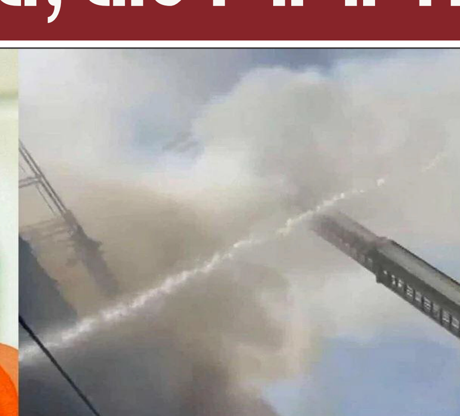

लखनऊ एजेंसी: लखनऊ के अलीगंज इलाके में एक कोचिंग सेंटर में भीषण आग लग गई, जिससे छात्रों और स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि यह कोचिंग इंस्टीट्यूट पूर्णिया इलाके में एक कमर्शियल बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर चल रहा था। जब घने धुएं और आग की लपटों ने बिल्डिंग के कुछ हिस्सों को तेजी से अपनी चपेट में ले लिया, तो कई छात्रों को अपनी जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूदना पड़ा। शुरूआती खबरों के मुताबिक, आग बिल्डिंग के एयर कंडीशनिंग यूनिट में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। इस घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग आग से बचकर निकलने वालों की मदद के लिए दौड़े। 10-12 लोगों के इमारत के अंदर फंसे होने की खबर घटना की जानकारी मिलने के बाद कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने तुरंत आग पर काबू पाने और इमारत के अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने का काम चल रहा है और कई दमकल गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आग की तीव्रता के कारण स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। अधिकारी ने कहा बताया जा रहा है कि 10-12 लोग अंदर फंसे हुए हैं। हम इमारत के अंदर नहीं जा पा रहे हैं क्योंकि आग बहुत भीषण है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आग लगने की घटना का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने और घटना में घायल हुए लोगों के लिए उचित चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रशासन को पूरी सतर्कता बरतने और बचाव कार्यों की लगातार निगरानी करने का भी निर्देश दिया है। घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और अधिकारियों को सभी आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। आग से सुरक्षा को लेकर चिंताएं सामने आईं इस घटना ने एक बार फिर कमर्शियल इमारतों से चल रहे शिक्षण संस्थानों में आग से सुरक्षा के नियमों के पालन को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञ आपातकालीन स्थितियों में जोखिम को कम करने के लिए चालू फायर एग्जिट आपातकालीन निकासी योजना ओंफायर अलार्म और नियमित सुरक्षा ऑडिट के महत्व पर जोर देते हैं। घटना की जांच के हिस्से के रूप में अधिकारियों द्वारा सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा किए

जब घने धुएं और आग की लपटों ने बिल्डिंग के कुछ हिस्सों को तेजी से अपनी चपेट में ले लिया, तो कई छात्रों को अपनी जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूदना पड़ा। शुरूआती खबरों के मुताबिक, आग बिल्डिंग के एयर कंडीशनिंग यूनिट में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

संपादकीय

पैदल यात्रियों का हक

जब सुप्रीम कोर्ट यह कहता है कि सुरक्षित और तयशुदा फुटपाथ पर चलना आम व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, तो इसके खास मायने हैं। अदालत उस हकीकत की ओर नीति-नियंताओं का ध्यान दिलाती है, जिसे अब तक भारतीय शहरों के नियोजन में नजरअंदाज किया गया। निश्चित रूप से सड़कों पर पहला हक लोगों का है, बाद में गाड़ियों का। सही मायने में कोर्ट ने पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को जीवन, आजादी और कहीं भी आने-जाने की गारंटी से जोड़कर सार्थक पहल की है। अदालत ने इस तरह नागरिक जीवन की एक बुनियादी जरूरत को सार्वजनिक जवाबदेही का मुद्दा बना दिया है। यह एक हकीकत है कि देश के करोड़ों भारतीयों के लिये पैदल चलना रोजमर्रा की जरूरत है, न कि जीवनशैली का विकल्प। इनमें तमाम स्कूल जाने वाले बच्चे, बाजार जाने वाले बुजुर्ग, कम दूरी तक आने-जाने वाले कामगार और दिव्यांग लोग शामिल हैं, जिनके लिये सुरक्षित पैदल यात्रा जीवन की एक सुविधा है। यह विडंबना ही है कि अक्सर रेहड़ी-खोमचे वाले, गलत तरीके से सड़कों में खड़ी गाड़ियां और निर्माण कार्य से जुड़ा मलबा पैदल यात्रियों के रास्ते पर अतिक्रमण कर देता है। यही वजह है कि पैदल यात्रियों को व्यस्त सड़कों पर चलने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिससे अकसर उनका जीवन खतरे में पड़ सकता है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा है कि गाड़ी चलाने वाले पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सही मायने में यह टिप्पणी वाहन केंद्रित शहरी नियोजन की सोच पर सीधे प्रहार करती है। यह विडंबना ही है कि शहरी सड़क परियोजनाओं में ट्रैफिक के प्रवाह को प्राथमिकता दी गई है। वहीं फुटपाथ को गैर जरूरी माना गया है। इसकी ही वजह से अकसर होने वाले सड़क हादसों का शिकार पैदल यात्रियों को होना पड़ता है। इसी दोषपूर्ण नीति के चलते ही लगातार पैदल चलने की जगह सिमटती रही है और सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती रही है। सड़क परिवहन मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि सड़क हादसों में इस साल 36,526 पैदल यात्रियों की मौत हुई है। मरने वालों का यह आंकड़ा सड़क दुर्घटना में मरने वाले लोगों की संख्या का 20.26 प्रतिशत है। यही वजह है कि कोर्ट को पैदल चलने वाले लोगों के अधिकार की सुरक्षा के लिये एक कानूनी ढांचा बनाने पर जोर देना पड़ा है। वास्तव में पैदल यात्रियों की रक्षा के लिये कानून तो पहले से ही हैं, मगर ये बिखरे हुए हैं। यदि एक व्यापक कानून बनता है तो फुटपाथ के डिजाइन, यात्रियों की पहुंच, फुटपाथों के रखरखाव और जवाबदेही के लिये मानकों का निर्धारण संभव हो सकेगा।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है।

अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो सकती है, जिस क्षण आत्मा या चैतन्य के साथ उसका संबंध स्थापित हो जाता है। यह स्थिति पतंजलि के शब्दों में धारणा के रूप में निरूपित की गई है। धारणा की धाराप्रवाह प्रतीति ध्यान है और ध्यान में पूर्ण तन्मयता का नाम समाधि है। संयम की पूर्णता के लिए धारणा, ध्यान और समाधि तीनों ही आवश्यक हैं। ध्यान साधना के अनुशासन की पूरी प्रक्रिया शिविर-साधना को आगे बढ़ाती है। साधक की शारीरिक और मानसिक स्थिति में संयम या साधना के अनुशासन की पूर्ण स्वीकृति ही शिविर-साधना का ठोस आधार है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राष्ट्रवाद, एकात्मता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रणेता : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी

सौरभ वार्ष्णेय

यह सत्य है कि कुछ महापुरुष कुछ समय के लिए पृथ्वी अवतरित होकर इस जग के लिए महान कार्य कर कालजयी हो जाते हैं ऐसे ही एक महापुरुष हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हुए जिनकी आज 23 जून 2026 को पुण्यतिथि है। हम श्री मुखर्जी को एक राजनीतिक घटना से ही याद नहीं करते वरन उनके महान कार्यों के लिए उन्हें याद करेंगे। भारतीय जनसंघ के गठन से उनकी विरासत सदा सदा के लिए अमर हो गई। 23 जून भारतीय राजनीति और राष्ट्र जीवन में एक महत्वपूर्ण तिथि है। इसी दिन देश के प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद्, स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई जाती है। वर्ष 1953 में रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हुआ, किंतु उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण आज भी भारतीय राजनीति और समाज को प्रेरित करते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने का उदाहरण रहा। वे मात्र 33 वर्ष की आयु में यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता के सबसे युवा कुलपति बने। शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रवाद के क्षेत्र में उनका योगदान असाधारण रहा। स्वतंत्रता के बाद वे देश की पहली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल हुए, लेकिन राष्ट्रीय हितों से जुड़े मुद्दों पर मतभेद होने के कारण उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना उचित समझा। यह उनके सिद्धांतवादी व्यक्तित्व का प्रमाण था। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा राजनीतिक संघर्ष जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरुद्ध था। उनका प्रसिद्ध नारा–एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे–राष्ट्रीय एकता की उनकी सोच को दर्शाता है। उनका मानना था कि भारत की संप्रभुता और अखंडता सर्वोपरि है तथा किसी भी राज्य के लिए अलग संवैधानिक व्यवस्था दीर्घकाल में राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं हो सकती।

भारतीय जनसंघ के गठन से अमर हुई विरासत

वर्ष 1951 में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। आज की भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक जड़ें भारतीय जनसंघ में ही देखी जाती हैं। संगठन निर्माण, वैचारिक स्पष्टता और लोकतांत्रिक संघर्ष की जो परंपरा उन्होंने स्थापित की, वह आज भी भारतीय राजनीति में प्रभावी दिखाई देती है। हालांकि डॉ. मुखर्जी के विचारों और नीतियों पर समय-समय पर मतभेद भी रहे हैं। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि विभिन्न विचारधाराएं अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं और जनता उनके आधार पर निर्णय लेती है। लेकिन यह निर्विवाद है कि उन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बात निर्भीकता से रखी और सिद्धांतों के लिए राजनीतिक जोखिम उठाने से कभी पीछे नहीं हटे। आज जब देश अनेक सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि हमें यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों, वैचारिक प्रतिबद्धता और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का साधन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि केवल एक महान नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों और विचारों पर गंभीर चिंतन का भी समय है। राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति के प्रति उनका योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्र उनके प्रति कृतज्ञ है और आने वाली पीढि?ां उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

21 अक्टूबर 1951 का दिन भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। इसी दिन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखजीर्के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। यह केवल एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन नहीं था, बल्कि स्वतंत्र भारत में वैचारिक राजनीति के एक नए अध्याय की शुरूआत थी। डॉ. मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी, शिक्षाविद् और दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने उस समय की सत्ता की नीतियों से वैचारिक मतभेद होने पर सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय एक नए राजनीतिक विकल्प की स्थापना का मार्ग चुना। भारतीय जनसंघ का उद्देश्य राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक अस्मिता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को केंद्र में रखकर राजनीति करना था। 21 अक्टूबर 1951 को स्थापित भारतीय जनसंघ ने धीरे-धीरे देश की राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई। डॉ. मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देकर राष्ट्रीय एकीकरण का संदेश दिया। जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरोध में उनका संघर्ष आज भी याद किया जाता है। यद्यपि 1953 में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके विचार और राजनीतिक दृष्टि जीवित रहे। जनसंघ आगे चलकर 1977 में जनता पार्टी का हिस्सा बना और 1980 में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। आज देश की राजनीति में जिस वैचारिक धारा का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है, उसकी नींव डॉ. मुखर्जी ने ही रखी थी। इस प्रकार कहा जा सकता है कि 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना करके डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति को एक स्थायी वैचारिक दिशा दी और स्वयं को इतिहास में कालजयी बना लिया। उनका जीवन राष्ट्रहित, सिद्धांतनिष्ठा और जनसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है।

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे:

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और संवैधानिक समानता का प्रबल उद्घोष था। यह उद्घोष भारत के महान राष्ट्रवादी नेता डॉ. मुखर्जी ने उस समय दिया था, जब जम्मू-कश्मीर को विशेष संवैधानिक प्रावधानों के तहत अलग दर्जा प्राप्त था। आज उनकी पुण्यतिथि पर यह नारा भारतीय राजनीति और राष्ट्रवाद के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में स्मरण किया जाता है। स्वतंत्रता के बाद जम्मू-कश्मीर में अलग संविधान, अलग झंडा और अलग प्रधानमंत्री (वजीर-ए-आजम) की व्यवस्था थी। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि यह व्यवस्था भारत की राष्ट्रीय एकता की भावना के विपरीत है। उनका तर्क था कि यदि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहां के नागरिकों को भी वही संवैधानिक व्यवस्था प्राप्त होनी चाहिए जो देश के अन्य राज्यों में लागू है।इसी विचार को लेकर उन्होंने 1953 में जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। उस समय राज्य में प्रवेश के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी। डॉ. मुखर्जी ने इसका विरोध करते हुए बिना परमिट जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत के दौरान 23 जून 1953 को उनकी रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया और उन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए बलिदान देने वाले नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डॉ. मुखर्जी के इस आंदोलन ने भारतीय राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। उनके द्वारा स्थापित भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे को लंबे समय तक जीवित रखा। बाद में यही विचारधारा भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख संकल्पों में शामिल रही। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के निर्णय को अनेक लोग डॉ. मुखर्जी के सपने की पूर्ति के रूप में देखते हैं।हालांकि इस विषय पर राजनीतिक मतभेद भी रहे हैं। कुछ लोगों का मानना था कि विशेष दर्जा जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट परिस्थितियों और पहचान की रक्षा के लिए आवश्यक था। लोकतंत्र में विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन यह भी सत्य है कि राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक समानता का प्रश्न सदैव महत्वपूर्ण बना रहेगा।

आज जब भारत एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह नारा और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। यह केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, समान अधिकारों और अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम तरीका यही है कि हम भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक आदर्शों को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लें। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस- दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है ओलम्पिक

योगेश कुमार गोयल

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 130 वर्ष...

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्टस एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है।

सिनेमा के माध्यम से बदलती दुनिया का सृजनात्मक दस्तावेज

मुम्बई आईएफएफ-2026 मे पोलैंड की 'सिल्वर' ने जीता गोल्डन कॉन्च,भारत की फिल्मों ने भी छोड़ी गहरी छाप...

मुम्बई में आयोजित 19वें मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का भव्य समापन केवल एक फिल्म समारोह का अंत नहीं,बल्कि सिनेमा की उस वैश्विक यात्रा का उत्सव था जो सभी सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे मानव अनुभवों को जोड़ती है। इस फिल्म समारोह में वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों को समर्पित यह प्रतिष्ठित महोत्सव एक बार फिर सिद्ध कर गया कि गैर-फीचर सिनेमा समाज के बदलते यथार्थ का सबसे सशक्त दस्तावेज है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा थे।उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में एम आई एफ एफ एक राष्ट्रीय आयोजन से विकसित होकर वैश्विक रचनात्मक आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए 'WAVES' शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि "Create in India, Create for the World" आज भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का नया मंत्र बन चुका है।राज्यपाल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग और फिल्मकारों की बौद्धिक संपदा की सुरक्षा पर भी विशेष बल दिया।इस वर्ष एम आई एफ एफ को दुनिया भर से1459 फिल्मों की प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं,जो इसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रमाण है।प्रतियोगिता खंड में13 देशों की144 फिल्मों का चयन किया गया,जबकि गैर-प्रतियोगिता खंड में 46 देशों की 202 फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। कुल मिलाकर 83 घंटे से अधिक की स्क्रीनिंग और 24 विशेष क्यूरेटेड श्रेणियों ने महोत्सव को विश्व स्तरीय आयाम प्रदान किया।

पुरस्कारों की दृष्टि से एम आई एफ एफ-2026 अनेक यादगार उपलब्धियों का साक्षी बना।अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म का प्रतिष्ठित गोल्डन कॉन्च पुरस्कार पोलैंड की फिल्म 'सिल्वर' को प्रदान किया गया। निर्देशक नतालिया कोनियार्ज और निमार्ता मैचेज कुबिकी की इस फिल्म ने मानवीय संवेदनाओं और यथार्थपरक

प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित किया।अंतरराष्ट्रीय लघु कथा फिल्म श्रेणी में ईरान की 'अंडर द स्नो' को सिल्वर कॉन्च से सम्मानित किया गया,जबकि जर्मनी की एनीमेशन फिल्म 'मायाज सॉन्ग' ने सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय एनीमेशन फिल्म का पुरस्कार प्राप्त किया। इन फिल्मों ने यह सिद्ध किया कि सीमित अवधि में भी गहरे मानवीय अनुभवों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है।भारतीय फिल्मों ने भी अपनी रचनात्मक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। तमिल एनीमेशन फिल्म 'आर्मस्ट्रॉन्ग फ्रॉम अंगालम्मन टेम्पल स्ट्रीट' को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फिल्म का सिल्वर कॉन्च मिला। एफटीआईआई निर्मित लघु कथा फिल्म 'स्मॉल क्लाउड्स' ने सर्वश्रेष्ठ भारतीय लघु कथा फिल्म का सम्मान प्राप्त किया,जबकि निर्देशक साईनाथ एस.उस्काइकर की वृत्तचित्र फिल्म 'वाआई' को सर्वश्रेष्ठ भारतीय वृत्तचित्र फिल्म का पुरस्कार मिला।तकनीकी श्रेणियों में भी भारतीय प्रतिभाओं का दबदबा दिखाई दिया। 'टर्टल वॉकर' के लिए कृष्ण माखीजा को सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटो ग्राफर का अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिला। 'देवा आज पन व्हाय' के लिए अभय रुमडे को सर्वश्रेष्ठ साउंड डिजाइन का सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय श्रेणी में रणधीर बिस्वास को 'स्मॉल क्लाउड्स' के लिए सिनेमेटोग्राफी तथा अखिल कृष्णन को 'मे-डे' के लिए संपादन पुरस्कार मिला। विशेष पुरस्कारों में ताइवान की फिल्म 'द होर्डर्स' को प्रमोद पाटी विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किया गया।अंतरराष्ट्रीय फिल्म समीक्षकसंघ(एफआईपीआरईएससी आई)का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदीप केंचनुरु की फिल्म 'द हग ऑफ एम्प्टिनेस' को मिला।छात्र वर्ग में मिलन कुमार की फिल्म 'द ओल्ड बुल नोज,ऑर वन्स न्यू' को सम्मानित किया गया,जबकि दादासाहेब फाल्के चित्रनगरी सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक पुरस्कार पूजा टोलानी को उनकी फिल्म 'राजा' के लिए दिया गया।एम आई एफ एफ 2026 की एक विशेष उपलब्धि इसकी विषयगत विविधता रही। पर्यावरण, सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, सांस्कृतिक विरासत,आदिवासी जीवन,मानवीय संघर्ष और बदलती तकनीकी दुनिया जैसे विषयों पर आधारित फिल्मों ने दर्शकों को गंभीर चिंतन का अवसर प्रदान किया। इस वर्ष 'Echoes from North East' और 'मराठी फिल्मस' जैसी नई श्रेणियों को शामिल कर क्षेत्रीय कथाओं को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम(एन एफ डी सी)के प्रबंध निदेशक प्रकाश मगदूम ने सही कहा कि सबसे प्रभावशाली सत्य हमेशा सबसे बड़े पर्दों पर नहीं,बल्कि सबसे ईमानदार फ्रेमों में दिखाई देते हैं। यही एम आई एफ एफ की मूल आत्मा भी है।वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्में केवल मनोरंजन नहीं करतीं,बल्कि समाज को स्वयं से संवाद करने का अवसर देती हैं।आज जब व्यावसायिक सिनेमा अक्सर बाजार की अपेक्षाओं से संचालित होता है,तब एम आई एफ एफ जैसे मंच सिनेमा की बौद्धिक और सामाजिक भूमिका को जीवित रखते हैं।यह महोत्सव बताता है कि कैमरा केवल दृश्य रिकॉर्ड नहीं करता,वह इतिहास को संरक्षित करता है,प्रश्न पूछता है,संवेदनाएँ जगाता है और परिवर्तन की चेतना को जन्म देता है।एम आई एफ एफ-2026 का परदा भले ही गिर गया हो,लेकिन इसकी फिल्मों में उठाए गए प्रश्न, प्रस्तुत किए गए विचार और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ लंबे समय तक दर्शकों के मन-मस्तिष्क में जीवित रहेंगी।यही किसी भी महान फिल्म महोत्सव की सबसे बड़ी सफलता होती है।अब सिनेमा प्रेमियों की निगाहें अगले अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले एम आई एफ एफ के अगले संस्करण पर टिक गई हैं,जहाँ दुनिया भर के कहानी कार फिर एक बार अपनी संवेदनाओं और सपनों के साथ उपस्थित होंगे।

युवाओं के लिए पथप्रदर्शक है सेवायोजन विभाग

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सेवायोजन विभाग द्वारा युवाओं को अपनी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर रहा है। सेवायोजन विभाग द्वारा समय-समय पर रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता है। विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को बेतर भविष्य के निर्माण हेतु करियर काउंसलिंग की सुविधा भी सेवायोजन विभाग द्वारा प्रदान की जाती है। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के आने के बाद सेवायोजन विभाग न केवल देश में अपितु विदेश में भी युवाओं को सेवायोजित करने का कार्य कर रहा है । वर्तमान समय में जर्मनी की वैकेंसी रोजगार संगम पोर्टल पर क्रियाशील है। इसके साथ ही साथ रोजगार संगम पोर्टल पर निशुल्क जर्मन भाषा के प्रशिक्षण हेतु आवेदन भी प्रारंभ हो गए हैं। जो भी इच्छुक अभ्यर्थी एएनएम, जीएनएम एवं बीएससी नर्सिंग योग्यता धारी हैं। अपना पंजीयन रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर करने के उपरांत इस प्रशिक्षण हेतु आवेदन कर सकते हैं। बता दें कि जिला सेवायोजन अधिकारी डॉक्टर सुशील कुमार जनपद में बेहतर उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं को छात्र-छात्राओं तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। डॉ. सुशील कुमार ने पिछले कई महीनों में जनपद के विभिन्न डिग्री कॉलेजों, इंटर कॉलेजों एवं महाविद्यालयों का दौरा कर छात्र-छात्राओं को रोजगार मेला, कॅरियर काउंसलिंग और जर्मन भाषा के निशुल्क प्रशिक्षण हेतु पंजीयन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहे है। डॉ. सुशील कुमार ने कहा कि सरकार की योजनाएं अंतिम पायदान तक पहुंचनी चाहिए। युवा पीढ़ी को इन योजनाओं का लाभ मिले, यही हमारा लक्ष्य है। जिला प्रशासन ने भी उनके कार्यों की सराहना की है। स्थानीय शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों ने बताया कि डॉ. सुशील कुमार के व्याख्यान से छात्रों में जागरूकता बढ़ी है ।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गन्ना कार्यालय में हुआ योगाभ्यास

शरीर और आत्मा के लिए तोहफा है योग, खुद को खुद से मिलाने का मौका है योग

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह स्थानीय गन्ना कार्यालय के सभागार में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व योग प्रशिक्षक बाबूराम सैनी ने किया। सैनी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न योगासन कराए। साथ ही उन्होंने बताया कि भिन्न-भिन्न बीमारियों के उपचार हेतु कौन-कौन से योगासन लाभकारी हैं और उनके नियमित अभ्यास से कैसे रोगों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में फैल रही बीमारियों से बचाव के लिए दवाइयों से कहीं अधिक योग आवश्यक है। इस अवसर पर चीनी मिल के उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने भी योगाभ्यास में भाग लिया। उन्होंने कहा कि योग केवल एक दिन का नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन का विषय है। प्रतिदिन योग करने से स्वास्थ्य उत्तम रहता है। सभी लोग नियमित योग करें और स्वयं को निरोगी बनाएं। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष रवि गुप्ता, महाप्रबन्धक (इंजी०) संजय जायसवाल, एकाउन्ट विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने योग का लाभ प्राप्त किया। स्वस्थ रहे तन और मन, योग ही है रोगमुक्त जीवन का मंत्र के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दिव्यांगजन की समस्याओं के निराकरण के लिए 23 जून, 2026 को मोबाइल कोर्ट का होंगा आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 23 जून 2026 दिन मंगलवार प्रातः 10:00 से सांय 4:00 बजे तक जनपद अमरोहा में मोबाइल कोर्ट का आयोजन डॉक्टर शेखर कुमार झा, राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त मोबाइल कोर्ट में दिव्यांगजन द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर अपनी शिकायत समस्या के निराकरण जैसे-18 वर्ष से कम उम्र के दिव्यांग बच्चों को समेकित वातावरण में मुफ्त शिक्षा के, दिव्यांगजन को शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण के सम्बन्ध में, दिव्यांगजन को रोजगार / नौकरी में आरक्षण के सम्बन्ध में, गरीबी उन्मूलन एवं कल्याणकारी योजनाओं में दिव्यांगजन को आरक्षण के सम्बन्ध में, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अन्तर्गत दिव्यांगजन की सुविधाओं एवं अधिकारों के लिए जारी कार्यकारी आदेश एवं अन्य निदेर्शों के सम्बन्ध में, दिव्यांगता के आधार पर किसी भेदभाव पूर्ण व्यवहार के विरूद्ध और दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए जाने संबंधित समस्याओं का निराकरण करा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने किया तहसील अमरोहा का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी ने सोमवार को सदर तहसील अमरोहा कार्यालय और नवनिर्मित तहसील भवन का औचक निरीक्षण किया। न्यायालय उपजिलाधिकारी एवं कार्यालय, न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यालय, संग्रह अनुभाग, नजारत अनुभाग, कार्यालय राजस्व निरीक्षक, पूर्ति कार्यालय, रजिस्ट्री कार्यालय और कार्यालय विनियमित क्षेत्र का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम डॉ0 नितिन गौड़ ने उपस्थिति रजिस्टर चेक किया, नाजिर देरी से आए थे, बताया गया कि नाजिर अक्सर देरी से कार्यालय आते हैं, इसपर डीएम ने स्पष्टीकरण जारी करने के साथ वेतन रोकने के निर्देश दिए। कार्यालय परिसर में गंदगी पाए जाने पर नाराजगी जताते हुए नाजिर को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। लम्बित राजस्व वादों की समीक्षा करते हुए पुराने वादों में शीघ्रता से तिथि नियत कर गुण-दोष के आधार पर निस्तारण कराये तथा यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि वादों का निस्तारण समय अन्तर्गत हो। इसके साथ जो आदेश हो गए हैं, उन्हें लागू कराया जाय। भूलेख अभिलेखागार में निरीक्षण के समय अभिलेखों का रख-रखाव पर निर्देशित किया गया कि वह अभिलेखों का रख-रखाव उचित प्रकार से कराये। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप तहसील में सभी न्यायालयों में लंबित वादों को कम से कमतर किया जाए और तहसील आने वाले फरियादियों की समस्याओं का समयबद्धता से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।संग्रह अनुभाग में अमीनवार आरसी वसूली की जानकारी प्राप्त की और ऐसे बडे बकायेदार जो वसूली जमा नहीं कर रहे और नोटिस का समय भी पूरा हो चुका है, उनकी संपत्ति कुर्क कर नीलाम की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी राजस्व वादों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा एवं दायरे के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता देकर शीघ्रता से निपटारा किया जाए। इस अवसर पर तहसील में आए शिकायतकताओं से बात कर उनकी समस्याओं को जानते हुए शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश तहसीलदार को दिए। उन्होंने जीपीएफ पासबुक देखते हुए अपडेट रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर चंद्रकांता, तहसीलदार सहित संबंधित उपस्थित रहे।

निरन्तर पुनरीक्षण-2026 के संबंध में बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के निरन्तर पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत Under Process एवं Unprocessed फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 का ई०सी०आई० नेट पर निस्तारण किये जाने की समीक्षा हेतु गांधी सभागार कलेक्ट्रेट, अमरोहा में जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी।उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 01 अप्रैल से 14 जून तक की ई०सी०आई० नेट से प्राप्त फार्मों के प्रोसेसिंग एवं अण्डरप्रोसेस फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 की स्थिति से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त उपजिलाधिकारी / ई०आर०ओ० एवं समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि निरन्तर पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त हो रहे फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 का ईसीआई नेट पोर्टल पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण कराना सुनिश्चित करें तथा अपने से संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत ई०पी० रेशियों एवं जेण्डर रेशियों में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिये गये। अन्त में बैठक में उपस्थित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक का समापन किया गया।

डीएम की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जनपद स्तरीय प्रथम अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक आहुत की गयी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों एवं अन्य सम्बंधित विभागों ने प्रतिभाग किया। बैठक में डीएम ने सभी संबंधित विभागों से उनके द्वारा की गयी तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण समय है, अगर इस समय तैयारी कर ली गई तो आने वाले समय में किसी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है। जिलाधिकारी ने 01 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले दस्तक अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता के लिए के लिए निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के उपाय, स्वच्छता के महत्व एवं दस्तक अभियान की जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाए। डॉक्टर नितिन गौड़ ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि अभियान के दौरान जनसहभागिता के माध्यम से संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए ताकि जिले को संचारी रोगों से मुक्त बनाया जा सके। स्थानीय निकायों पर संवेदीकरण एवं शहरी टास्क फोर्स बैठकें, ब्लॉक स्तर पर नोडल अध्यापकों का संवेदीकरण और ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सहायकों के संवेदीकरण हेतु ब्लॉक स्तरीय बैठकें निर्धारित समय पर कर ली जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रशिक्षण को प्रभावी बनाया जाए, जिसमें ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों की अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित हो। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी / नोडल अधिकारी वेक्टर बोर्न डीजिज द्वारा अभियान में सभी विभागों के कार्यों एवं दायित्वों के बारे में चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त अधिशासी अधिकारियों और डीपीआरओ को वार्डो और ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की साफ-सफाई, एन्टी लार्विसाइडल छिडकाव एवं फॉगिंग कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये। अभियान के दौरान समस्त विभाग किये गये कार्यों की प्रतिदिन रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करेगें। समस्त चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देशित किया गया कि समस्त सामु०स्वा० केन्द्रों पर ग्रामवार एक मानचित्र लगाये जिसमें आने वाले डेंगू, मलेरिया एवं चिकुनगुनिया के केसों को मानचित्र पर दर्ज करें। बी०एस०ए० एवं डी० आई० ओ० एस० को निर्देशित किया गया कि समस्त स्कूलों में बच्चों को फुल आस्तीन की शर्ट पहनने तथा संचारी रोगों से बचाव हेतु जागरूकता किया जाए। डी०पी०ओ० को निर्देशित किया कि आगनवाडी कार्यकत्री आशाओ के साथ गावं में भ्रमण कर कुपोषित बच्चों का चिन्हीकरण करके एनआरसी में भेजना सुनिश्चित करें। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय माइक्रोप्लान बनाते हुए उसके अनुसार सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर संचारी रोग नियंत्रण की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करें। उन्होंने ग्राम पंचायतों, शहरी वार्डों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, एंटी लार्वा स्प्रे, गड्ढों की भराई, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रमाकांत सागर, समस्त अपर/उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, डी०एम० ओ०, डी०पी०आर०ओ०, इ०ओ०, सी०वी०ओ०, बी०सी० पी०एम०, बी०पी०एम० एवं समस्त विभागों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

धनौरा में विहिप जिला मंत्री ने पुलिस पर लगाए पक्षपात के आरोप, थाने पहुंचकर खुद पर डाला तेल,किया आत्मदाह का प्रयास

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना परिसर में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री विपिन शर्मा ने संगठन के कार्यकताओं को अपने साथ लेकर पुलिस पर पक्षपात करने का गंभीर आरोप लगाते हुए थाना परिसर में ही खुद पर तेल छिड़क कर आत्मदाह का प्रयास किया। इस मामले में जिला मंत्री व संगठन के कार्यकताओं ने पुलिस पर मुकदमा दर्ज न करने का आरोप लगाते हुए थाना परिसर में जमकर हंगामा किया। उधर मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए समय रहते जिला मंत्री के साथ हादसा होने से बचाया।
बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री विपिन शर्मा का आरोप है कि खेत पर जाते समय उनके ही गांव के एक पिता-पुत्र ने उनके साथ मारपीट की थी। घटना के बाद वह शिकायत लेकर मंडी धनौरा थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उनका मुकदमा दर्ज नहीं किया। उन्होंने पुलिस पर अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया। विपिन शर्मा के अनुसार, पुलिस के रवैये से आहत होकर उन्होंने थाना परिसर में आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत रोक लिया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंच गए। उन्होंने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले में पक्षपात किया है और विपक्षी पक्ष से सांठगांठ कर रखी है। प्रदर्शन कर रहे कार्यकताओं ने थाना प्रभारी अमरपाल सिंह के व्यवहार पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि पीड़ित पक्ष की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया, जिससे संगठन के कार्यकताओं में रोष है।विहिप और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने मांग की है कि आरोपितों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस पूरे प्रकरण में जब क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया से जानकारी करने के लिए फोन के माध्यम से संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

धनौरा राम गंगा पोषक नहर में मिला अज्ञात युवक का शव, शिनाख्त के प्रयास में जुटी पुलिस

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र स्थित रामगंगा पोशाक नहर में सोमवार को एक अज्ञात युवक का शव मिला जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जिसकी सूचना वहां से गुजरने वाले राहगीरों ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक के शव को नहर से बाहर निकाला और उसकी शिनाख्त करने के प्रयास शुरू कर दिए लेकिन मृतक युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह घटना थाना क्षेत्र के गांव जसौरा के निकट की है जहां से गुजर रही रामगंगा पोशाक नहर में एक अज्ञात युवक का शव नहर के तेज बहाव में तैर रहा था जिस पर वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक की नजर उसे पर पड़ी तो उसने इसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमरपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से शव को नहर से बाहर निकाला। पंचनामा भरने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने बताया कि युवक की उम्र लगभग 25 वर्ष प्रतीत हो रही है।
शव को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि युवक की शिनाख्त के लिए आसपास के क्षेत्रों और थानों में गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।शव की पहचान के लिए आसपास के ग्रामीणों को भी बुलाया गया, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है, जिसमें यह पता लगाया जा रहा है कि यह कोई दुर्घटना है,आत्महत्या या फिर किसी आपराधिक साजिश का परिणाम।

गजरौला क्षेत्र में शोचालय के टैंक में डूबकर 7 साल की मासूम की मौत,परिवार में कोहराम

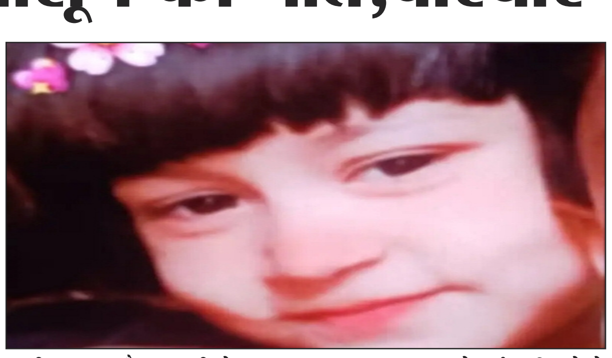

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र स्थित एक गांव में निमार्णाधीन मकान में बने पानी के टैंक में रविवार को एक 7 साल की बच्ची की डूबने से मौत हो गई। जिससे उसके परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बता दें कि पूरा मामला नगरकोट वाली क्षेत्र के गांव तिगरिया खादर का है जहां के निवासी विमलेश की बेटी अवनी जिसकी उम्र करीब 7 वर्ष थी उसके निमार्णाधीन मकान में बने शौचालय के टैंक में भरे पानी में डूबने से मौत हो गई।विमलेश अपनी छोटी बेटी तन्वी (4) और अवनी के साथ मायके में रह रही थी। रविवार को विमलेश परिवार की अन्य महिलाओं के साथ मजदूरी करने गई थी,जबकि अवनी और तन्वी घर पर थीं।दोपहर के समय अवनी खेलते-खेलते अचानक गायब हो गई। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की,लेकिन वह नहीं मिली। करीब ढाई बजे अवनी का शव निमार्णाधीन मकान के पानी के टैंक में उतराता हुआ मिला। बच्ची के शव को देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई।
घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए और विमलेश भी काम से वापस आ गई।परिजन शाम के समय बालिका के शव को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचे। विमलेश के पति सोनू ने, जो जैथल गांव निवासी हैं, शव का अंतिम संस्कार उनके पहुंचने तक न करने का आग्रह किया। गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी ली है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

मकान के लालच में युवक की हत्या, आत्महत्या का रूप देने वाले चाचा-भतीजे गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव पंवासा में 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए उसके चाचा और चचेरे भाई को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मकान के विवाद और उसे कम कीमत पर खरीदने की लालच में दोनों ने युवक की गला दबाकर हत्या की और फिर शव को फंदे से लटकाकर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार बीते शनिवार को पीआरवी के माध्यम से सूचना मिली थी कि गांव पंवासा निवासी परवेन्द्र (22) पुत्र स्व. अनिल ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर थाना बहजोई पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। मौके पर फील्ड यूनिट को बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य भी जुटाए गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौा का कारण एंटीमॉर्टम स्ट्रैंगुलेशन (गला दबाने से दम घुटना) सामने आया। इसके बाद पुलिस ने गांव और आसपास के लोगों से पूछताछ की, जिसमें मकान के लालच में हत्या किए जाने की बात सामने आई। इस आधार पर थाना बहजोई में सुनील उर्फ गिरधारी (47) पुत्र महावीर और उसके पुत्र रोहित (24) के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। सोमवार को थाना बहजोई पुलिस ने दोनों आरोपियों को टिकटा रोड स्थित ग्राम बहरोली ताहरपुर के यात्री शेड के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि परवेन्द्र के माता-पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी और वह उनका इकलौता पुत्र था। उसका मकान उसके चाचा सुनील के मकान से सटा हुआ था। परवेन्द्र अधिकांश समय अपनी बुआ के घर जनपद रामपुर में रहता था और बीच-बीच में गांव आता था। पुलिस के अनुसार परवेन्द्र अपना मकान किसी अन्य व्यक्ति को बेचना चाहता था, जबकि उसका चाचा और चचेरा भाई उसे कम कीमत पर खरीदने का दबाव बना रहे थे। परवेन्द्र द्वारा मकान बेचने से इनकार करने पर दोनों उससे नाराज हो गए और उसे रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।

जांच में पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से पहले परवेन्द्र की गला दबाकर हत्या की और फिर उसी रस्सी से शव को कमरे की छत में लगे कुंडे से लटका दिया, ताकि मामला आत्महत्या का लगे। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई।

दुष्कर्म का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, सिपाही और आरोपी दोनों घायल

बबराला/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बबराला क्षेत्र में सोमवार को पुलिस और दुष्कर्म के वांछित आरोपी के बीच हुई मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी की गोली से एक सिपाही घायल हो गया, जबकि पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी भी घायल हुआ। दोनों को उपचार के लिए सीएचसी गुन्नौर भेजा गया। पुलिस के अनुसार, चेकिंग अभियान के दौरान बबराला-रजपुरा मार्ग पर ग्राम नगरिया काजी के पास पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी संदीप ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी, जिसमें आरक्षी भोलू गोली लगने से घायल हो गए। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में आरोपी संदीप के पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से एक अवैध 315 बोर तमंचा, एक खोखा कारतूस तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी), क्षेत्राधिकारी गुन्नौर तथा आसपास के थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संदीप थाना बबराला में दर्ज 6 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहा था। 18 जून को पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान संदीप का नाम सामने आया, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध थाना बबराला में संबंधित धाराओं में एक और मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बाल सुरक्षा को लेकर पुलिस लाइन में गोष्ठी, बाल विवाह व बाल तस्करी रोकने के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- सोमवार को पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी का आयोजन पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश पर तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी)/नोडल अधिकारी मनोज कुमार रावत की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में अध्यक्ष बाल कल्याण समिति बहजोई, सहायक श्रम आयुक्त, आरपीएफ प्रभारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्रयत्न संस्था (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन) के प्रभारी गौरी शंकर चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जनपद के सभी थानों के बाल कल्याण अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। गोष्ठी में बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, पॉक्सो अधिनियम, गुमशुदा बच्चों की बरामदगी, अनैतिक व्यापार और भिक्षावृत्ति की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने इन अपराधों की रोकथाम के लिए समन्वित कार्रवाई करने तथा संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ऑपरेशन रक्षा, मिशन शक्ति, ऑपरेशन मुस्कान, बाल श्रम उन्मूलन अभियान सहित बच्चों और महिलाओं के लिए संचालित बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और कन्या सुमंगला योजना जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बाल संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर एएचटी प्रभारी निरीक्षक पवनवीर सिंह राणा एवं श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोहम्मद आजम को एनजीओ प्रयत्न संस्था (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन) की ओर से प्रतीक चिन्ह (ट्रॉफी) प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) एवं नोडल अधिकारी मनोज कुमार रावत ने प्रदान किया।

शिक्षा व्यवस्था सुधार पर डीएम सख्त, नामांकन बढ़ाने और अधूरे कार्य पूरे करने के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में ऑपरेशन विद्यालय कायाकल्प, निपुण भारत मिशन, मध्यान्ह भोजन योजना, दिव्यांग बच्चों को दी जा रही सुविधाओं तथा पीएम श्री विद्यालयों में लंबित कार्यों (गैप) की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण के तहत अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम श्री विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए शिक्षकों को लगातार प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए।

उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि 23 जून को संबंधित बीडीओ और एडीओ पंचायत के साथ बैठक कर विद्यालय कायाकल्प के तहत शेष गैप की समीक्षा करें और उसकी सूची हार्ड कॉपी में उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि इसकी साप्ताहिक समीक्षा मुख्य विकास अधिकारी करेंगे। बैठक में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में लंबित गैप की सूची तीन कार्यदिवस में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। वहीं दिव्यांग, विशेषकर श्रवण बाधित विद्यार्थियों के लिए शासनादेश के अनुरूप विशेषज्ञ चिकित्सक की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने को भी कहा गया। डीएम ने मध्यान्ह भोजन योजना के तहत तिथि भोज योजना के प्रभावी संचालन के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने और उसकी कार्यवाही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही नगर क्षेत्र के उन विद्यालयों का विद्यालयवार विवरण प्रस्तुत करने को कहा, जहां एनजीओ के माध्यम से मध्यान्ह भोजन संचालित हो रहा है, ताकि सेंट्रल किचन से विद्यालयों की दूरी का आकलन किया जा सके। पीएम श्री विद्यालयों में लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जिन कार्यों के लिए रायफल क्लब अथवा ग्राम एवं नगर निधि से धनराशि उपलब्ध कराई गई है, उनमें अब तक कार्य पूर्ण न होने के कारणों की जांच की जाए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारियों के साथ कार्ययोजना बनाकर 15 कार्यदिवस के भीतर सभी लंबित गैप को पूरा कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, सभी खंड शिक्षा अधिकारी तथा जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

शासन की फैमिली आईडी टीम ने पात्र परिवारों को जल्द जोड़ने के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन की फैमिली आईडी तकनीकी टीम की सदस्य कुमारी तृषा ने सोमवार को जनपद संभल के विकासखंड बहजोई स्थित ग्राम मिजार्पुर नसरुल्लाहपुर का क्षेत्रीय भ्रमण कर फैमिली आईडी योजना की प्रगति का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने पंचायत सचिवालय में फैमिली आईडी के लाभार्थियों से संवाद कर जानकारी ली कि उनके परिवार के कौन-कौन से सदस्य अभी तक फैमिली आईडी से वंचित हैं और इसके पीछे क्या कारण हैं। उन्होंने पंचायत सचिव और पंचायत सहायक को निर्देश दिए कि सभी पात्र छूटे हुए सदस्यों को शीघ्र फैमिली आईडी में शामिल कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कुमारी तृषा ने बताया कि फैमिली आईडी बनने के बाद परिवार के पात्र सदस्यों का विभिन्न सरकारी लाभार्थी योजनाओं में पात्रता के आधार पर स्वतः चयन किया जा सकता है। साथ ही फैमिली आईडी के माध्यम से जाति प्रमाण-पत्र और निवास प्रमाण-पत्र जैसी सेवाओं का लाभ भी अधिक तेजी से उपलब्ध कराया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान उनके साथ जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार, पंचायत सचिव असलम, पंचायत सहायक तथा अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्राम भ्रमण के बाद कुमारी तृषा ने मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी से मुलाकात कर फैमिली आईडी योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं और सुझावों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों और चुनौतियों को शासन स्तर पर अवगत कराया जाएगा, ताकि योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

प्राचीन तीर्थों के विकास में तेजी लाने के निर्देश, डीएम ने तय की 30 सितंबर की समयसीमा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के प्राचीन तीर्थ स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।बैठक में संभल के 68 प्राचीन तीर्थों और 19 महाकूपों में चल रहे विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कुरुक्षेत्र तीर्थ के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए टॉयलेट ब्लॉक, चेंजिंग रूम, पेवर ब्लॉक, प्रवेश द्वार और रेड सैंड स्टोन सहित अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति जानी। उन्होंने कार्यदायी संस्था को श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। प्राचीन मनोकामना तीर्थ के विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान डीएम ने सितंबर तक सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वहीं प्राचीन नैमिषारण्य तीर्थ सहित अन्य प्रस्तावित परियोजनाओं की ड्राइंग और डिजाइन पर भी चर्चा की गई। बैठक में मनोकामना गेट और कुरुक्षेत्र गेट के निर्माण में सीएनसी कटिंग कार्य, बहापुर पट्टी स्थित देवी माता मंदिर, बाकरपुर बनियाखेड़ा के देवस्थान, असमोली स्थित बूढ़े बाबा स्थान, रायपुर कला की चामुंडा देवी मंदिर, सम्भलेश्वर, सूर्यकुंड मंदिर, भुवनेश्वर तीर्थ और हंस तीर्थ के विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी नवीन स्वीकृत पर्यटन विकास कार्य 30 सितंबर तक पूरे किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी तीर्थ स्थलों पर समान प्रकृति के निर्माण कार्यों की डिजाइन एकरूप हो तथा उनमें संभल की सांस्कृतिक थीम दिखाई दे। इसके अलावा गणेशपुर स्थित प्राचीन मनोकामना मंदिर श्री बांके बिहारी जी, ऐंचौड़ा कम्बोह के समीप द्वार तथा हरी बाबा धाम के विकास कार्यों की भी समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रिय सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, रामानुज, सहायक पर्यटन अधिकारी प्रदीप कुमार टम्टा तथा विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

धनौरा तहसील परिसर में डिजिटल ई-रजिस्ट्री क विरोध लगातार जारी,तालाबंदी कर योजना वापस लेने की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील परिसर में डिजिटल ई-रजिस्ट्री योजना का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। इस मामले में अधिवक्ता,दस्तावेज लेखक एवं स्टांप विक्रेता डिजिटल ई-रजिस्ट्री कि इस योजना को सरकार द्वारा वापस लेने की मांग पर अड़े हुए हैं जिसको लेकर उन्होंने इसके विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। मंडी धनौरा तहसील परिसर में बार एसोसिएशन धनौरा के बैनर तले यह धरना प्रदर्शन 11 जून से लगातार जारी है। बता दें कि सोमवार को भी प्रदर्शनकारियों ने तहसील में रजिस्ट्री कार्यालय की तालाबंदी कर विरोध जताया। उनकी प्रमुख मांगों में उत्तर प्रदेश सरकार की निजी कंपनी को ठेके पर देकर डिजिटल ई-रजिस्ट्री कराए जाने की प्रस्तावित योजना को पूरी तरह वापस लेना और अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करना शामिल है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह योजना न केवल अधिवक्ताओं और दस्तावेज लेखकों के हितों के खिलाफ है, बल्कि इससे आम जनता को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उनका आरोप है कि निजी कंपनियों को ठेका देने से भ्रष्टाचार और डेटा चोरी की संभावनाएं बढ़ेंगी। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक यह हड़ताल और तालाबंदी अनवरत जारी रहेगी। इस विरोध प्रदर्शन में लता सागर एडवोकेट, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयप्रकाश सैनी, विनोद कुमार शास्त्री, मूलचंद त्यागी, सहदेव भारती, भरत सिंह सैनी, राहत चौधरी, शिवकुमार सैनी, ओमवीर सैनी, हितेश टोनिया, राजपाल सिंह, आलोक भारती, सतेन्द्र सिंह एडवोकेट, राजीव सैनी, अशोक त्यागी, शाहनवाज सैफी, विकास कुमार, लवकुश, अनिल भटनागर, सर्वेश शर्मा, वरुण ढिल्लों, जितेन्द्र गिल, प्रदीप अग्रवाल, चौधरी अली रफी, मदनपाल सैनी, धर्मेंद्र लखमीचंद, सिद्धार्थ यादव, कपिल अग्रवाल और विपिन एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक और न्यायिक कार्य से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

सामुदायिक शौचालय के केयरटेकरों ने उठाई बकाया मानदेय की मांग, सीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के सामुदायिक शौचालयों पर कार्यरत केयरटेकरों ने लंबित मानदेय और मेंटेनेंस राशि के भुगतान की मांग को लेकर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने से पहले बकाया भुगतान कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि कई महीनों से केयरटेकरों का मानदेय लंबित है, जबकि वे लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके अलावा प्रत्येक माह मिलने वाली 3 हजार रुपये की मेंटेनेंस राशि भी अब तक नहीं मिली है और साफ-सफाई के लिए आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इससे कई सामुदायिक शौचालयों के संचालन पर संकट खड़ा हो गया है। केयरटेकरों का आरोप है कि प्रधान और सचिव की ओर से भुगतान नहीं किया जा रहा, जिससे शौचालयों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से वे आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं और परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि अनुबंध के नाम पर 4 हजार रुपये की अवैध वसूली की जा रही है। वहीं कुछ महिला केयरटेकरों का मानदेय स्वयं सहायता समूहों के खातों में रुका हुआ है और उसे निकालने के लिए समूह अध्यक्षों द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है। केयरटेकरों ने मुख्य विकास अधिकारी से मांग की है कि प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने से पहले सभी लंबित मानदेय, मेंटेनेंस राशि और साफ-सफाई सामग्री का भुगतान सुनिश्चित कराया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके और सामुदायिक शौचालयों का संचालन सुचारु रूप से जारी रह सके।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू अराजनीतिक ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के राष्ट्रीय आह्वान पर मलका पार्क में किसानों की बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी की अध्यक्षता तथा जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू, जिला प्रभारी चौधरी धर्मवीर सिंह एवं युवा जिलाध्यक्ष शैलेंद्र आर्य के नेतृत्व में आयोजित बैठक के बाद किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। बैठक में जिला कृषि अधिकारी रामकुमार यादव, सहकारिता विभाग के हरिंदर कुमार सिंह तथा जिला गन्ना अधिकारी सना आफरीन ने किसानों को खाद उपलब्धता एवं बकाया गन्ना भुगतान शीघ्र कराने का आश्वासन दिया। कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग के लिए कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र सिंह राठौर का भी सम्मान किया गया। ज्ञापन में किसानों ने बिजली आपूर्ति बढ़ाने, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, खाद की उपलब्धता, गन्ना भुगतान, आवारा पशुओं की समस्या, अवैध खनन पर रोक तथा खराब सड़कों के निर्माण सहित विभिन्न मांगें उठाईं। जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो लखनऊ में बड़ा आंदोलन एवं महापंचायत का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा नेता प्रिंस चौधरी ने दो गांवों में चलाया जनसंपर्क अभियान, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रिंस चौधरी ने जनपद बिजनौर के दो गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना, केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। दोनों गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। जनसंपर्क अभियान के दौरान प्रिंस चौधरी ने लगभग 600 से 700 ग्रामीणों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याओं, सुझावों और क्षेत्र की आवश्यकताओं को जाना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को संबंधित अधिकारियों

तक पहुंचाकर उसके समाधान का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान करीब 250 से 300 महिलाओं को साड़ी और सूट वितरित किए गए। वस्त्र प्राप्त कर महिलाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की और इस पहल की सराहना की। वहीं गांव के युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वॉलीबॉल किट भी भेंट की गई। युवाओं ने कहा कि इससे गांवों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। प्रिंस चौधरी ने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और जागरूक युवा ही समाज और देश का भविष्य हैं। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, खाद्यान्न वितरण योजना, शौचालय निर्माण तथा विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी और पात्र लोगों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा तथा अन्य स्थानीय समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। प्रिंस चौधरी ने सभी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों ने जनसंपर्क अभियान की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों का गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनना और समाधान का प्रयास करना लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा है।

प्रेम-प्रसंग के विवाद में युवती ने शहर कोतवाली में लगाई आग, थाना प्रभारी निलंबित

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली में रविवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवती ने कथित रूप से इंस्पेक्टर कक्ष में ज्वलनशील पदार्थ डालकर खुद को आग लगा ली। आग की लपटें उठते ही थाने में अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने आग बुझाकर युवती को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार युवती 60 प्रतिशत तक झुलस गई है। घटना रात करीब पौने ग्यारह बजे की है। युवती अचानक इंस्पेक्टर कक्ष में पहुंची और खुद पर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल लिया। आग लगने के बाद वह

चीखती हुई बाहर भागी, जिससे पर्दों में भी आग लग गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार युवती का एक सैनिक से परिचय था। विवाह की बात टूटने पर युवती ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। पहली जांच में साक्ष्य न मिलने पर अंतिम रिपोर्ट लगी। बाद में दोबारा मुकदमा दर्ज कर आरोपपत्र दाखिल किया गया। आरोपी सैनिक को उच्च न्यायालय से गिरफ्तारी पर स्टे मिला हुआ है।रविवार दोपहर युवती मां के साथ भी कोतवाली आई थी और कार्रवाई की मांग कर रही थी। पुलिस ने कानूनी स्थिति समझाकर वापस भेज दिया। देर रात वह दोबारा थाने पहुंची और घटना हो गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में युवती के सौतेले पिता नरेश कुमार उसे ज्वलनशील पदार्थ की बोतल देते दिखे हैं। इस पहलू की जांच की जा रही है। घटना को गंभीर मानते हुए एसपी ने थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अमर सिंह राठौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि युवती का उपचार जारी है। बयान व अन्य साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पीर मजार पर की कार्यवाही के विरोध में डीएम से मिला असपा प्रतिनिधिमण्डल

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर टीचर्स कॉलोनी स्थित पीर मजार के निकट सार्वजनिक मार्ग पर की गई प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर आज आजाद समाज पार्टी का एक प्रतिनिधिमण्डल सांसद प्रतिनिधि विवेक कुमार के नेतृत्व में डीएम जसजीत कौर से मिला तथा उन्हें तहसील प्रशासन द्वारा पीर मजार के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई पर विरोध दर्ज कराया` डीएम ने इस मामले में पूरी तरह वैधानिक कार्यवाही का आश्वासन दिया` इसी मामले में एसडीएम धामपुर ने क्षेत्र में विभिन्न चचाओं के बीच पूरे प्रकरण पर अपना पक्ष सामने रखा है। उपजिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा के अनुसार कार्रवाई राजस्व अभिलेखों और जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है तथा इसका उद्देश्य केवल सार्वजनिक भूमि को

अवरोधमुक्त कराना था। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 मार्च 2026 को टीचर्स कॉलोनी निवासी नरेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, अजय कुमार सहित अन्य नागरिकों ने जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर ग्राम धामपुर हुसैनपुर में स्थित गाटा संख्या 221 से संबंधित भूमि तथा उससे जुड़े सार्वजनिक मार्गों की जांच की मांग की थी। शिकायत के बाद राजस्व विभाग द्वारा कराई गई जांच में गाटा संख्या 220, जो अभिलेखों में चकमार्ग के रूप में दर्ज है, पर सीमेंट के पायों के रूप में अवरोध पाया गया। वहीं गाटा संख्या 1326/3, जो राजस्व रिकॉर्ड में सड़क पुख्ता के रूप में दर्ज है, पर भी निर्माण कार्य होने की पुष्टि हुई। प्रशासन का कहना है कि दोनों गाटे सार्वजनिक उपयोग की भूमि हैं और उन पर किसी भी प्रकार का अवरोध आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न करता है। इसी आधार पर 19 जून 2026 को राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवरोध हटाने की कार्रवाई की। एसडीएम स्मृति मिश्रा ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक कार्रवाई किसी धार्मिक स्थल या समुदाय को लक्ष्य बनाकर नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा सार्वजनिक भूमि और मार्गों को सुरक्षित एवं अवरोधमुक्त बनाए रखने की है। यदि किसी पक्ष को कार्रवाई पर आपत्ति है तो वह विधिक प्रक्रिया के तहत सक्षम न्यायालय अथवा प्रशासनिक मंच पर अपनी बात रख सकता है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें तथा सामाजिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना चढ़ी घोटाले की भेंट, सीएलटीसी के संरक्षण में चल रहा है खेल

एक मकान पर दो-दो लाभार्थी दर्ज होने से उठे बड़े सवाल

बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) गरीबों को पक्की छत देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, लेकिन जनपद में इस योजना के क्रियान्वयन को लेकर उठ रहे सवाल अब गंभीर रूप लेते जा रहे हैं। एक ही मकान पर दो अलग-अलग लाभार्थियों के नाम दर्ज होने के मामले के बाद अब शिकायतकताओं ने कई अन्य कथित अनियमितताओं का खुलासा करते हुए पूरे सिस्टम की निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायतकताओं का आरोप है कि योजना के तहत कुछ ऐसे लाभार्थी भी सामने आए हैं जो आज करोड़ों रुपये की संपत्ति के मालिक बताए जा रहे हैं। सवाल उठाया जा रहा है कि आखिर आर्थिक रूप से सक्षम और संपन्न लोगों का नाम पात्रों की सूची में कैसे शामिल हुआ? यदि यह सत्य है तो पात्रता सत्यापन प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। आरोप यह भी हैं कि कई मामलों में वास्तविक स्थिति से अलग डाटा पोर्टल पर अपलोड किया गया। कहीं पुराने मकानों की तस्वीरें लगाकर निर्माण दशार्या गया तो कहीं अन्य स्थानों के फोटो के आधार पर अभिलेख तैयार किए गए। शिकायतकताओं का दावा है कि इस पूरे कथित खेल में सीएलटीसी (CLTC) की भूमिका भी जांच के दायरे में लाई जानी चाहिए, क्योंकि

जियो-टैगिंग, फील्ड सत्यापन और तकनीकी रिपोर्टिंग की प्रक्रिया में कई विसंगतियां सामने आने की बात कही जा रही है। शिकायतकताओं का कहना है कि गलत डाटा अपलोड कर सरकारी धन का बंदरबांट किया गया और पात्र गरीब परिवारों के हिस्से का लाभ अपात्र लोगों तक पहुंचा। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन लगातार सामने आ रही शिकायतों ने प्रशासन और संबंधित विभागों की मुश्किलें जरूर बढ़ा दी हैं। मामले को और गंभीर बनाते हुए आरोप लगाए गए हैं कि कुछ लाभार्थियों ने आवास प्राप्त करने के बाद मकान एवं उससे संबंधित भूमि का विक्रय कर दिया। कई स्थानों पर प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम, लोगो और पहचान चिह्न तक हटा दिए गए, जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो गया कि संबंधित भवन कभी योजना के अंतर्गत स्वीकृत हुआ था। कुछ शिकायतकताओं का यह भी आरोप है कि आवासीय परिसरों को बाद में व्यावसायिक उपयोग में बदल दिया गया। कहीं दुकानों का निर्माण कर बिक्री की गई तो कहीं संपत्तियों का हस्तांतरण कर दिया गया। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह योजना की मूल भावना के विपरीत माना जाएगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि लाभार्थी चयन, राजस्व विभाग द्वारा सत्यापन, जियो-टैगिंग, सीएलटीसी की रिपोर्ट, निर्माण की निगरानी और किस्तों के भुगतान जैसी बहुस्तरीय प्रक्रिया के बावजूद यदि इतनी बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आ रही हैं तो जवाबदेही आखिर किसकी तय होगी? योजना से जुड़े विभाग अपनी-अपनी भूमिका अलग-अलग बता रहे हैं। कोई भुगतान प्रक्रिया का हवाला दे रहा है तो कोई सत्यापन की जिम्मेदारी दूसरे विभाग पर डाल रहा है। ऐसे में जनता यह जानना चाहती है कि यदि कहीं गड़बड़ी हुई है तो उसकी जिम्मेदारी किस अधिकारी, कर्मचारी या एजेंसी पर तय की जाएगी। यदि शिकायतों में दम है तो करोड़ों की संपत्ति वाले कथित लाभार्थियों का चयन कैसे हुआ? गलत डाटा अपलोड करने वालों पर क्या कार्रवाई होगी? सीएलटीसी, सत्यापन एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच कब होगी? पात्र गरीबों को उनका हक कब मिलेगा और अपात्रों से सरकारी धन की वसूली कैसे होगी?

यहाँ गौरतलब है कि मकान के लाभार्थियों से विभाग द्वारा बाहरी दलालों के माध्यम से धन की वसूली की जाती है नही देने पर लाभार्थी का नाम सूचीबद्ध नही किया जाता है ऐसा ही एक उदाहरण चांदपुर रोड स्थित नलकूप कालोनी का है जहाँ एक गरीब विधवा महिला ने मकान के लिए आवेदन किया था पर पैसा वसूलने आये दलालों को नही देने पर उसकी लाभार्थी सूची में नही शामिल किया गया जबकि उसके साथ आवेदन करने वाले कई लाभार्थियों को आवास योजना का लाभ मिल चुका है फिलहाल निगाहें प्रशासन और संबंधित विभागों पर टिकी हैं। अब देखना यह होगा कि शिकायतों की जांच केवल फाइलों तक सीमित रहती है या फिर पूरे जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना का व्यापक भौतिक सत्यापन कर वास्तविक स्थिति जनता के सामने लाई जाती है।

भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा लगातार दिव्यांगों की अनदेखी को देखते हुए राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन 13 जुलाई को करेगी आर पार की लड़ाई

एमआर पाशा ने सभी दिव्यांग, वृद्ध,विधवाओं,गरीब युवा वर्ग से अपील की है कि 13 जुलाई को विकास भवन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धरना प्रदर्शन को सफल बनाएं

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने नेतृत्व में कैम्प कार्यालय बुढ़नपुर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मास्टर अफजाल व संचालन शाहे आलम ने किया। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने कहा कि लगातार अधिकारियों के तानाशाही पूर्ण रवैया के खिलाफ डीएम कार्यालय का घेराव कर वही पर धरना प्रदर्शन भूख हड़ताल किया जाएगा। एक ज्ञापन जिलाधिकारी बिजनौर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर सुनवाई नहीं होती है तो 13 जुलाई को डीएम कार्यालय कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। और वहीं पर धरना प्रदर्शन

भूख हड़ताल की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला बिजनौर के अधिकारीगण अपने कार्य प्रणाली में सुधार लाएं। तथा दिव्यांगों को जो हीन भावना से देखते हैं इग्नोर करते हैं। वह बंद करें। दिव्यांगों का शोषण बंद करें। राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने सभी दिव्यांग, वृद्ध,विधवा, महिला,युवा गरीब वर्गों से अपील कि 13 जुलाई को सुबह 8 बजे विकास भवन बिजनौर में अधिक से अधिक संख्या मे पहुंचकर धरना प्रदर्शन को सफल बनाएं। जनपद बिजनौर में जो तानाशाही अफसरों की चल रही है।उसके विरुद्ध आवाज उठाएं। बैठक में मास्टर हिरदेश कुमार,दीपक कुमार,जैकी सैनी,मोहम्मद आजम,मोहम्मद इकराम ठेकेदार, बाबू, मास्टर अफजाल अहमद, नसीम,मास्टर शहजाद गोविंदपुर वाले,नकुल कुमार,सुशील कुमार,शाहे आलम, जीवन अग्रवाल,तिलकराम,विजय कुमार,लाल सिंह,नौशाद,,सद्दाम गुरबचन सिंह आदि मौजूद रहे।

दिव्यांगों की थानों में सुनवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने कहा कि दिव्यांगों की थानों में सुनवाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के प्रति ऐसे ही पुलिस विभाग के अधिकारी द्वारा उत्पीड़न बढ़ता चलता जा रहा है। इसी को लेकर 13 जुलाई को एसपी कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

समाधान दिवस की तैयारियों और जनशिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर

बिजनौर (सब का सपना):- तहसील बिजनौर में सोमवार को उप जिलाधिकारी (सदर) की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी तहसील समाधान दिवस की तैयारियों एवं जनशिकायतों के प्रभावी निस्तारण को लेकर समीक्षा की गई। बैठक में तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को

पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरणों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उप जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग से जुड़े मामलों, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता की समस्याओं का समाधान पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। बैठक में अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि जनसुनवाई से जुड़े सभी प्रकरणों का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

आवारा कुत्तों पर अभियान चलाएं, अवैध होर्डिंग हटाएं, बरसात से पहले नालों की सफाई पूरी करें:- डीएम जसजीत कौर

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद की सभी नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों को जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर क्षेत्रों में आवारा एवं आक्रामक कुत्तों द्वारा लोगों को काटने की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों एवं एनिमल बर्थ कंट्रोल (ABC) नियमों के अनुरूप अभियान चलाकर आवारा कुत्तों की पहचान, पकड़ने, नसबंदी एवं रेबीज टीकाकरण की कार्रवाई पशु चिकित्सा विभाग एवं नामित एजेंसियों के सहयोग से कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में पशुओं के प्रति क्रूरता न बरती जाए। बरसात के मौसम को

देखते हुए जिलाधिकारी ने सभी निकायों को नालों एवं नालियों की सफाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सफाई कार्य पूरा कर जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाई जाए। बैठक में नगर क्षेत्रों में लगे अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों, चौराहों, विद्युत पोलों तथा अन्य स्थानों पर बिना अनुमति लगाए गए विज्ञापन तत्काल हटाए जाएं। केवल शासन की स्वीकृत योजनाओं से संबंधित होर्डिंग अथवा नियमानुसार स्वीकृत यूनिपोल पर लगाए गए विज्ञापन ही अनुमन्य होंगे।kजिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने निकाय क्षेत्रों के वार्ड गजेटियर का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड की आधारभूत सुविधाओं, सार्वजनिक परिसंपत्तियों, प्रमुख स्थलों एवं विकास कार्यों का तथ्यात्मक विवरण तैयार किया जाए तथा प्रत्येक प्रविष्टि के साथ जीपीएस लोकेशन युक्त फोटोग्राफ भी अनिवार्य रूप से संलग्न किए जाएं।

उन्होंने नगर क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने का विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रमुख मार्गों, बाजारों, चौराहों, नालों, नालियों एवं सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को चिन्हित कर नियमानुसार तत्काल हटाया जाए। बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पात्र रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ पहुंचना चाहिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, जनपद के सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, निकाय प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) ने सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) जिलाध्यक्ष नितिन कुमार के नेतृत्व में किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने कहा कि बढ़ती खेती लागत, नकली कृषि सामग्री, प्रशासनिक जटिलताओं और सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर न मिलने से किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं।

ज्ञापन में संगठन ने अंश निर्धारण के लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण, फार्मर आईडी से संबंधित त्रुटियों का समाधान, उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की। इसके अलावा नकली कीटनाशकों, उर्वरकों एवं बीजों की

बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी उठाई गई।

किसान नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर विद्युत लाइनों और ओवरलोड ट्रांसफार्मरों को बदलने, कृषि फीडरों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, सूखा और कीट प्रकोप से फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने आवारा और निराश्रित पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान कर गौशालाओं को सुदृढ़ बनाने पर भी जोर दिया।

ज्ञापन में नहरों, रजवाहों और ट्यूबवेलों से पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराने, गन्ना किसानों का बकाया भुगतान ब्याज सहित कराने तथा कृषि यंत्र, बीज और योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव एवं भ्रष्टाचार के किसानों तक पहुंचाने की मांग की गई।

भाकियू (अराजनीतिक) ने हाल ही में प्राप्त मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर किसानों की भूमि की उर्वरता सुधारने हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं संबंधित विभागों के साथ विशेष कार्ययोजना लागू करने की मांग भी उठाई। साथ ही भूमिहीन किसानों, खतौनी संशोधन, नामांतरण और अन्य राजस्व मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने की बात कही गई।

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो किसान व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

12 दिन पहले भगवानपुर गंगा में डूबे यशपाल का मिला शव

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना:- रविवार 21 जून को जिला अमरोहा के थाना हसनपुर के गांव मिलक निवासी यशपाल का शव भगवानपुर गंगा में थाना रहरा पुलिस को मिल गया। बताते चलें कि मृतक यशपाल के परिजनों ने 12 दिन पहले भगवापुर गंगा घाट आकर शव की बरामदगी को लेकर हंगामा भी किया था, जिसमें एसआईटी की टीम ने स्थानीय गोताखोरों के साथ गंगा जी में तीन दिन तक अथक मेहनत की थी। कोतवाल रहरा संदीप पवांर ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अमरोहा अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

युवक की हत्या, खाली प्लॉट में पेड़ के नीचे मिला लहूलुहान शव

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- कोतवाली खुर्जा नगर क्षेत्र के सिद्धेश्वर मंदिर के निकट महेश वाटिका स्थित एक खाली प्लॉट में पेड़ के नीचे युवक का लहूलुहान शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे किसी वजनदार वस्तु से वार कर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए है। मृतक के हाथ पर "कमल" लिखा होने के आधार पर उसकी पहचान गांव नगला शेखू निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रॉपर्टी डीलर गोलीकांड में आठ पर मुकदमा

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बा में प्रॉपर्टी डीलर गुलजार को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में पुलिस ने पीड़ित के पिता निसार की तहरीर पर छह नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। घटना के 24 घंटे बाद भी कोई आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका है। पुलिस ने रितिक, संदीप, प्रिंस, छोटू, सचिन और नवीन समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कई टीमों को उनकी तलाश में लगाया है। ताबड़तोड़ दबिश के बावजूद सभी आरोपी फरार हैं। गौरतलब है कि रास्ते में गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर हुए विवाद के बाद शुक्रवार को पाली बेगपुर मोड़ स्थित प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पर लाठी-डंडों और तमंचों से लैस हमलावरों ने हमला बोल दिया था। हमले में गुलजार पुत्र निसार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका मेरठ के अस्पताल में उपचार चल रहा है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। दो समुदायों से जुड़ा मामला होने के कारण पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। एडीजी भानु भास्कर और एसएसपी दिनेश चंद्र सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। गांव में फिलहाल स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

मूसेवाला के करीबी शगनप्रीत के माता-पिता ने फिर खटखटाया हाई कोर्ट का दरवाजा, पुलिस प्रताड़ना से बचाने की मांग

चंडीगढ़। दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के करीबी रहे शगनप्रीत सिंह के माता-पिता ने एक बार फिर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए पुलिस प्रताड़ना से संरक्षण की मांग की है। हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर 24 जुलाई तक जवाब दाखिल करने के आदेश दिए हैं। याचिकाकर्ता दलजीत कौर और सौदागर सिंह ने अदालत को बताया कि खन्ना पुलिस उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है और अब तक तीन एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। उनका आरोप है कि यदि डॉनी बल गैंग की ओर से किसी व्यक्ति को फिरौती की कॉल आती है तो पुलिस बिना पर्याप्त आधार के उनके परिवार को मामले में नामजद कर देती है।याचिका में कहा गया है कि दो मामलों में उन्हें अदालत से जमानत मिल चुकी है, लेकिन इसके बावजूद तीसरे मामले में सौदागर सिंह के साथ उनकी पत्नी दलजीत कौर को भी गिरफ्तार कर लिया गया।दीवार फांद घर में घुसी पुलिस याचिकाकताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने देर रात उनके घर की दीवार फांदकर प्रवेश किया और कार्रवाई की। उन्होंने अदालत को बताया कि वे दोनों वरिष्ठ नागरिक हैं और उनका किसी आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध नहीं है। याचिका में यह भी कहा गया है कि उन्होंने पहले ही शगनप्रीत सिंह को अपनी संपत्ति और परिवार से बेदखल कर दिया है, इसके बावजूद पुलिस उन्हें लगातार परेशान कर रही है।माता-पिता ने पुलिस अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें मामलों से बाहर निकालने के नाम पर रिश्वत की मांग भी की गई। इस संबंध में पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को शिकायत भेजी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। 24 जुलाई को होगी अगली सुनवाई याचिका में अदालत से मांग की गई है कि भविष्य में उनके खिलाफ कोई भी नया मामला दर्ज करने से पहले निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराई जाए तथा उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने याचिका में उठाए गए आरोपों को देखते हुए पंजाब सरकार से जवाब तलब किया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तारीख निर्धारित की। अदालत ने सरकार से याचिकाकताओं के आरोपों पर अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि शगनप्रीत सिंह के माता-पिता इससे पहले भी अपने खिलाफ दर्ज मामलों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग को लेकर हाई कोर्ट पहुंचे थे। उस याचिका पर भी अदालत पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर चुकी है और मामला विचाराधीन है।

पंजाब में स्वास्थ्य सेवाएं ठप, कम्युनिटी हेल्थ अफसरों की हड़ताल, सरकार से की वेतन बढ़ोतरी की मांग

अमृतसर। पंजाब के ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे पर सोमवार को उस समय बड़ा असर देखने को मिला जब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत कम्युनिटी हेल्थ अफसरों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सामूहिक हड़ताल कर दी। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की सेवाओं को पूरी तरह बंद कर दिया गया, जिसके चलते कई स्वास्थ्य केंद्रों पर कामकाज ठप हो गया। हड़ताल के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने पंजाब सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार मुदार्बाद और स्वास्थ्य कर्मियों को पक्का करो जैसे नारे लगाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीण क्षेत्र के एक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कम्युनिटी हेल्थ अफसर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे पिछले कई वर्षों से ग्रामीण इलाकों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदा और महामारी के कठिन समय में भी उन्होंने बिना किसी भय के लगातार सेवाएं दीं, लेकिन अब उनकी समस्याओं और मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। मांगों को लेकर सरकार नहीं गंभीर कर्मचारियों का आरोप है कि विभाग और सरकार को कई बार उनकी मांगों से अवगत करवाया गया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके बजाय उन पर कार्यभार बढ़ाया जा रहा है, जिससे उनका मानसिक और आर्थिक शोषण हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान कम्युनिटी हेल्थ अफसरों ने नए इंसेंटिव प्रपत्र को तानाशाही फैसला बताते हुए उसकी प्रतियां जलाकर विरोध दर्ज कराया। इसके साथ ही उन्होंने अपनी मांगों का ज्ञापन संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को सौंपा। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करना, वेतन में वृद्धि करना, अन्य राज्यों की तुलना में कम दिए जा रहे वेतन अंतर को समाप्त करना, नए इंसेंटिव प्रपत्र को वापस लेना, कैडर को स्वीकृत कर कर्मचारियों को नियमित करना, लॉयल्टी बोनस जारी करना और इंसेंटिव को मूल वेतन में शामिल करना शामिल है। कर्मचारियों की हड़ताल तेज करने की चेतावनी हड़ताल कर रहे कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका आंदोलन एक जुलाई तक जारी रहेगा और इसके बाद दो जुलाई को मुख्यमंत्री के आवासीय क्षेत्र स्थित स्थान पर राज्य स्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि आंदोलन के दौरान यदि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होती हैं या मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और स्वास्थ्य विभाग की होगी। इस हड़ताल के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

बिजनौर पहुंचे जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, अनुज मलिक के नेतृत्व में हुआ भव्य स्वागत

बिजनौर (सब का सपना):- गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से देशव्यापी जनजागरण यात्रा पर निकले जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के बिजनौर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। समाजवादी पार्टी के नेता अनुज मलिक के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। स्वागत के दौरान पूरे क्षेत्र में जयघोष गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। अपने संबोधन में जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ माता का स्थान केवल एक पशु

का नहीं, बल्कि आस्था, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार के रूप में रहा है। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने लोगों से इस जनजागरण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और गौ संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का आह्वान किया।समाजवादी पार्टी के नेता अनुज मलिक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ माता का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने की मुहिम को समाज के सभी वर्गों का समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने जगद्गुरु के विचारों को सुना और गौ संरक्षण के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। श्रद्धालुओं ने महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या मौजूद रही।

चंडीगढ़ में नई सब्जी मंडी और बल्क मार्केट का रास्ता साफ, पर्यावरण मंजूरी के लिए केंद्र ने गठित कीं दो समितियां

चंडीगढ़। सेक्टर-39 में प्रस्तावित नई सब्जी मंडी और सेक्टर-56 की बल्क मैटेरियल मार्केट समेत शहर के कई बड़े विकास प्रोजेक्ट्स को अब रफ्तार मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने चंडीगढ़ के लिए यूटी स्तरीय स्टेट एन्वायरमेंट इंपैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (एसईआईएए) और एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी (ईएसी) का पुनर्गठन कर उन्हें अधिसूचित कर दिया है। इन समितियों के गठन के साथ ही लंबे समय से पर्यावरण मंजूरी का इंतजार कर रही परियोजनाओं की फाइलों पर आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है। सबसे अधिक लाभ सेक्टर-39 में बनने वाली नई सब्जी मंडी परियोजना को मिलने की संभावना है। करीब 76 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाली इस मंडी की कई साइटों की नीलामी पहले

ही हो चुकी है, लेकिन पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिलने के कारण विकास कार्य आगे नहीं बढ़ पाया। मंजूरी मिलने के बाद प्रशासन परियोजना को गति देगा और भविष्य में सेक्टर-26 स्थित मौजूदा सब्जी मंडी को यहां स्थानांतरित किया जाएगा।सके अलावा धनास की मार्बल मार्केट को स्थानांतरित करने के लिए सेक्टर-56 में प्रस्तावित बल्क मैटेरियल मार्केट को भी राहत मिलेगी। करीब 22 करोड़ रुपये की इस परियोजना में लगभग 200 शोरूम विकसित किए जाने हैं। पर्यावरण मंजूरी के अभाव में यह योजना भी लंबे समय से लंबित थी।नई व्यवस्था का लाभ अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को भी मिलेगा, जिनके लिए पर्यावरण मंजूरी अनिवार्य है। अथॉरिटी परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करेगी, जबकि एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी तकनीकी जांच कर अपनी सिफारिशें देगी।डॉ. हर्ष मित्तर को अथॉरिटी का चेयरमैन तथा डॉ. रणदीप सिंह सैनी को सदस्य बनाया गया है। वहीं डॉ. अविनाश कुमार शारदा एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी के चेयरमैन होंगे। दोनों निकायों का कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा।

जालंधर की सर्जिकल फैक्ट्री में भीषण आग, दमकलकर्मियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

जालंधर। जालंधर-कपूरथला रोड स्थित सर्जिकल काम्प्लेक्स के पास एक सर्जिकल सामान बनाने वाली फैक्ट्री में सोमवार सुबह आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि उसका घना धुआं कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देता रहा। तेज हवाओं के कारण आग ने देखते ही देखते फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह फैक्ट्री से धुआं निकलता देख कर्मचारियों और आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड और फैक्ट्री प्रबंधन को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहनों को भी बुलाया गया।फायर ब्रिगेड की टीमें लगातार दो घंटे से अधिक समय तक आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटी रहीं।आग के कारण फैक्ट्री के अंदर रखा सर्जिकल सामान और अन्य सामग्री प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, नुकसान का सही आकलन अभी नहीं किया जा सका है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए लोगों को आग से दूर रहने की सलाह दी।प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक नुकसान पता लगेगा। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं मिली है। पुलिस और फायर विभाग की टीमें मामले की जांच में जुटी हुई हैं।

जालंधर में देर रात होम्योपैथिक क्लिनिक पर बरसी गोलियां, शीशे टूटे, पुलिस जांच में जुटी

जालंधर। जालंधर शहर में लगातार सामने आ रही फायरिंग की घटनाओं के बीच एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। वेरका मिल्क प्लांट के नजदीक स्थित एक होम्योपैथिक क्लिनिक को देर रात अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने निशाना बनाया। हमलावरों ने क्लिनिक पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। घटना में क्लिनिक का शटर क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि अंदर लगे शीशे भी टूट गए। राहत की बात यह रही कि वारदात के समय क्लिनिक बंद था, जिससे किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने आर्यन होम्योपैथिक क्लिनिक के बाहर पहुंचकर फायरिंग की।घटना की जानकारी सोमवार सुबह उस समय सामने आई जब आसपास के दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे। उन्होंने क्लिनिक के बाहर टूटा हुआ कांच और शटर पर गोलियों के निशान देखे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के दौरान क्लिनिक को सील कर दिया और मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए।आसपास की दुकानों के संचालकों ने बताया कि रविवार को बाजार बंद होने के कारण किसी को भी घटना की भनक नहीं लगी। एक महिला दुकानदार ने बताया कि जब वह सुबह दुकान पर पहुंचीं तो पुलिस पहले से मौके पर मौजूद थी और जांच कर रही थी। वहीं एक अन्य दुकानदार ने बताया कि सुबह क्लिनिक का शटर खुलने पर अंदर का शीशा टूटा हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद फायरिंग की घटना का पता चला। क्लिनिक संचालक डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि शनिवार रात वह और उनके बेटे आर्यन शर्मा रोजाना की तरह क्लिनिक बंद करके घर चले गए थे। सोमवार सुबह जब उनके बेटे ने क्लिनिक खोला तो अंदर का शीशा टूटा हुआ मिला। जांच करने पर अंदर से गोली का एक हिस्सा भी बरामद हुआ। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि उन्हें पहले कभी कोई धमकी भरा फोन नहीं आया और न ही उनका किसी के साथ कोई विवाद है।

विदेश बैठे गैंगस्टरों का पंजाब में बढ़ रहा नेटवर्क, अमृतसर में तीन शूटर गिरफ्तार; सात वारदातों का खुला राज

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक बड़े आपराधिक नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए विदेश में बैठे गैंगस्टरों के इशारों पर काम करने वाले तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह एक्सटॉर्शन, फायरिंग और लूटपाट जैसी वारदातों को अंजाम देकर क्षेत्र में दहशत फैला रहा था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुरदेव सिंह उर्फ गुरदेव, जशनप्रीत सिंह उर्फ जस्सू और हरपारसदीप सिंह उर्फ पारस के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक प्वाइंट थर्टी बोर जिगाना पिस्टल, आठ जिंदा कारतूस, एक थार गाड़ी, एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इनकी गिरफ्तारी से अमृतसर, तरनतारन और फिरोजपुर जिलों में हुई कम से कम सात बड़ी वारदातों का खुलासा हुआ है।

विदेश से मिलते थे निर्देश

जांच में सामने आया है कि यह पूरा नेटवर्क विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के

निर्देशों पर काम कर रहा था। आरोपित अपने फरार साथी महीप सिंह के साथ मिलकर यह गतिविधियां चला रहे थे। पुलिस के अनुसार विदेश में बैठे जसबीर सिंह उर्फ करण इस पूरे गिरोह का मुख्य हैंडलर है, जो मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए अपने गुर्गों को टारगेट और निर्देश भेजता था।पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि यह गैंग गैंगस्टर डोनी बल और प्रभ दासूवाल से जुड़े नेटवर्क से प्रभावित था। गिरोह के सदस्य फिरौती वसूली के लिए पहले रेकी करते थे और फिर फायरिंग कर दहशत पैदा करते थे ताकि पीड़ित व्यक्ति पैसे देने को मजबूर हो जाए। अमृतसर पेट्रोल पंप से हुई थी लूट सबसे गंभीर मामला 21 से 22 मई की रात का सामने आया है, जब लोहारका रोड स्थित एक पेट्रोल पंप पर फायरिंग कर लगभग पच्चीस हजार रुपये की लूट की गई थी। इस घटना के बाद थाना कैंटोनमेंट में मामला दर्ज किया गया था, जिसकी जांच के दौरान यह पूरा नेटवर्क सामने आया।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित तरनतारन, अमृतसर ग्रामीण और फिरोजपुर क्षेत्रों में लगातार सक्रिय थे। उन्होंने गोइंदवाल साहिब, रईया, सरहाली और कमालगढ़ जैसे क्षेत्रों में घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर फायरिंग कर दहशत फैलाई। कई पेट्रोल पंपों को भी निशाना बनाया गया। गिरफ्तार आरोपी पर भी मामला दर्ज पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित जशनप्रीत सिंह पहले भी एक आपराधिक मामले में शामिल रह चुका है। वहीं, गिरोह का एक अन्य साथी महीप सिंह अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क में विदेश में बैठे हैंडलरों की भूमिका, वित्तीय लेनदेन और अन्य सहयोगियों की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इस गिरोह से जुड़े और भी खुलासे हो सकते हैं।

चंडीगढ़ के मास्टर प्लान में क्या होंगे बदलाव? 25 को आपत्ति-सुझावों पर सुनवाई; 9 सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी गठित

चंडीगढ़। चंडीगढ़ मास्टर प्लान-2031 में बदलाव कि तैयारी है। प्रस्तावित संशोधनों पर प्राप्त आपत्तियों और सुझावों की समीक्षा के लिए यूटी प्रशासन ने 9 सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी का गठन कर दिया है। प्रशासक की ओर से जारी आदेशों के अनुसार यह कमेटी ड्राफ्ट संशोधनों पर जनता से प्राप्त सुझावों और आपत्तियों की जांच कर अपनी सिफारिशें प्रशासन को सौंपेगी। कमेटी की अध्यक्षता इंजीनियरिंग सचिव प्रेमा पुरी, आईएएस करेंगी। इसके अलावा चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डी. कार्तिकेयन, मुख्य वास्तुकार (चीफ आर्किटेक्ट), यूटी के मुख्य अभियंता, नगर निगम के मुख्य अभियंता, पूर्व टाउन एंड कंट्री प्लानर आर श्रीनिवास, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली के प्रो. सेवा राम, यूटी के पूर्व मुख्य वास्तुकार कपिल सेतिया और पंजाब के पूर्व मुख्य नगर योजनाकार केके कौल को सदस्य बनाया गया है। आदेशों के अनुसार स्क्रीनिंग कमेटी नियमित सुनवाई करेगी और आपत्तियां व सुझाव देने वाले लोगों को अपना पक्ष व्यक्तिगत रूप से रखने का अवसर भी दिया जाएगा। कमेटी को एक माह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपनी होगी।

स्क्रीनिंग कमेटी के गठन पर उठने लगे सवाल

कमेटी के गठन के बाद शहर के कुछ सामाजिक संगठनों और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशनों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। उनका कहना है कि कमेटी में प्रशासनिक अधिकारियों और विशेषज्ञों को शामिल किया गया है, लेकिन चंडीगढ़ के निवासियों या आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों को कोई जगह नहीं दी गई।सोशल इम्पैक्ट एसोसिएशन (एसआईए) सहित कुछ संगठनों का तर्क है कि मास्टर प्लान में प्रस्तावित बदलाव सीधे तौर पर शहर के भविष्य, बुनियादी ढांचे, पर्यावरण और जीवनशैली को प्रभावित करेंगे। ऐसे में स्थानीय निवासियों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी।

25 जून को होगी जनसुनवाई

चंडीगढ़ प्रशासन ने मास्टर प्लान-2031 में प्रस्तावित संशोधनों पर 25 जून को जनसुनवाई निर्धारित की है। इसमें नागरिकों, संस्थाओं और विभिन्न हितधारकों को अपनी आपत्तियां और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा।

प्रशासन का कहना है कि सभी सुझावों और आपत्तियों पर विचार करने के बाद अंतिम रिपोर्ट तैयार कर आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।मास्टर प्लान संशोधनों में भवनों की ऊंचाई बढ़ाने, एफएआर में वृद्धि, मिश्रित भूमि उपयोग क्षेत्रों के विस्तार और नए हाईराइज विकास क्षेत्रों जैसे कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल हैं, जिन पर शहर में व्यापक बहस जारी है।

पिपंल्स, फटी एड़ियां और होंठों का कालेपन दूर करने में फायदेमंद है अनानास

अनानास एक ऐसा फल है, जो खाने में स्वादिष्ट और सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ- साथ आपकी त्वचा को स्वस्थ एवं सुंदर बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। जी हां शायद त्वचा पर अनानास का इस्तेमाल करना कोई जानता हो, लेकिन पौष्टिक तत्वों से भरपूर अनानास को सिर्फ खाया या जूस बनाकर पिया ही नहीं जा सकता, बल्कि अपनी त्वचा एवं बालों पर मास्क बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए यहां हम आपको त्वचा पर अनानास के इस्तेमाल करने का तरीका बता रहे हैं, जो कील-मुंहासों से लेकर आपकी फटी एड़ियों को सही करने का भी बेहतर विकल्प हो सकता है। अनानास में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को स्वस्थ और जवां बनाए रखने में मदद करता है।

पिंपल्स के लिए

पिंपल्स की समस्या से लगभग हर कोई परेशान रहता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोगों के चेहरे पर कील-मुंहासे ज्यादा होते हैं और कुछ के कभी-कभार। चेहरे पर पिंपल्स न केवल आपकी सुंदरता पर दाग के समान होते हैं, बल्कि कई बार यह काफी तकलीफदायक भी होते हैं। ऐसे में पिंपल्स की समस्या में अनानास फायदेमंद साबित हो सकता है। अनानास में मौजूद विटामिन-सी मुहांसों से निजात पाने में असरदायक है। इसके अलावा इसमें मौजूद ब्रोमेलिन विटामिन-सी के असर को बढ़ाता है। इसके लिए आप सबसे पहले एक पका अनानास लें और उसका रस निकाल लें। अब आप इस रस को रूई की मदद से रात को सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह उठकर चेहरे को साफ पानी से धो लें। पिंपल्स होने पर आप रोजाना ऐसा करें आपको कुछ ही दिनों में फायदा नजर आएगा और आप बाकी लोगों को भी यह नुक्शा जरूर बताएंगे।

त्वचा को रखे हाइड्रेट

अनानास कील-मुहासों को दूर करने के साथ आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट एवं चमकदार बनाए रखता है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान नहीं लगती। इसके लिए आप अनानास को अच्छे से छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें। इसके बाद आप इसमें अंडे की जर्दी और 2 चम्मच दूध मिलाएं और पेस्ट तैयार कर लें। अब इस तैयार पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और इसे 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से चेहरा धो लें। यह आपकी त्वचा को तरोताजा एवं हाइड्रेट रखेगा।

जवां त्वचा पाएं

अनानास आपकी त्वचा में निखार लाने एवं त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। अनानास शरीर में कोलेजन सिंथेसिस को बढ़ावा देता है। कोलेजन की सही मात्रा होने से त्वचा में लचीलापन आता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद विटामिन-सी और अमीनो एसिड डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करते हैं। जवां त्वचा पाने के लिए आप अनानास का खाने के साथ इसका जूस पी सकते हैं। इसके अलावा आप इसका फेस मास्क भी बना सकते हैं। इसके लिए आप अनानास को छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें और इसका पेस्ट बना लें। अब इसमें आप 1 चम्मच शहद और चाहें, तो एलोवेरा जेल डाल लें और इससे बना पेस्ट अपने चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट रखने के बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।

फटे होंठ करें मुलायम

फटे होंठों को मुलायम बनाने में अनानास मददगार है। यह आपके होंठों को मॉश्चराइज रखता है, जिससे होंठ रूखे नहीं रहते। इसके लिए आप अनानास के रस में थोड़ा-सा नारियल का तेल मिलाएं और रोजाना रात को साने से पहले अपने होंठों पर लगाएं। रोजाना इसका इस्तेमाल करें, इससे आपके फटे होंटों की समस्या दूर होगी।

फटी एड़ियों के लिए अनानास और शहद

फटी एड़ियों की समस्या से काफी लोग परेशान रहते हैं, जिसके लिए लोग दर्द में राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन दर्द ही नहीं, बल्कि फटी एड़ियों के कारण आपको अपने पैरों को छुपाना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसी सैंडल का चयन करते हैं, जिनमें आपकी एड़ियां न दिखें, लेकिन अब आपको इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको इसके लिए उपाय बता रहे हैं। अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो अनानास बेहतर विकल्प हो सकता है। फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए अनानास के एक टुकड़े पर शहद एवं चीनी मिलाकर लगाएं और इसे एड़ियों पर रगड़ते हुए स्क्रब करें। इसके अलावा, आप इन तीनों चीजों का पेस्ट बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आप रोजाना 10 से 15 मिनट के लिए ऐसा करते हैं, तो आपकी एड़ियां साफ हो जाएंगी।

बिना चोट के रक्तस्राव को कतई न करें नजरअंदाज

यदि बिना कोई चोट लगे नाक और मसूड़ा समेत शरीर के बाहर और भीतर के किसी अंग से खून निकल रहा है और इलाज के बाद भी यदि खून का निकलना बंद नहीं हो रहा है, तो इसको लेकर संजीदा हो जाएं। तुरंत ही बिना लापरवाही किए परार्मस के लिए डॉक्टर के पास पहुंचे और तुरंत कुछ जरूरी जांच कराएं। इसके साथ ही इससे संबंधित दवाईयां भी शुरू करें, चूंकि यह हीमोफिलिया के लक्षण हैं।

हीमोफिलिया ज्यादातर आनुवांशिक बीमारी है। यह कभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं होती है और इससे पीड़ित लोगों को जीवनभर इलाज की जरूरत होती है। इसलिए हीमोफिलिया के इलाज में विशेष एहतियात बरतने की जरूरत है। इसके इलाज में मरीज को भावात्मक सहयोग की जरूरत पड़ती है। मरीज के साथ मित्रवत व्यवहार जरूर करना चाहिए। यह जानकारी हिमेटोलॉजी विभाग की डॉ. सोनिया नित्यानंद और डॉ. रुचि गुप्ता ने दी।

विशेषज्ञों ने जांच करने के तरीके के बारे में बताया

विशेषज्ञों ने एक वर्कशाप में गोरखपुर, मेरठ, दिल्ली, कश्मीर, उदयपुर और देहरादून मेडिकल कॉलेज से आए पैथालॉजिस्ट और लैब टेक्निशियनों को हीमोफिलिया की जांच के बारे में जानकारी दी। पीजीआई के हिमेटोलॉजी विभाग के डॉ. अंशुल गुप्ता, डॉ. रुचि गुप्ता और डॉ. दिनेश चंद्रा ने इन्हें बेसिक और स्पेशल जांच के सैंपल लेने से लेकर इनकी जांच की विधि बताई। इनमें प्रोथ्रोम्बिन टाइम (पीटी), एक्टीवेटेट पार्शियल थ्रोम्बोप्लास्टिन टाइम , कम्पलीट ब्लड काउंट (सीबीसी), फिब्रिनोजेन, फैक्टर एएसएसएवाई, मिक्सिंग स्टडी समेत अन्य कई जांचों के बारे में बताया। इन्हें लैब में सैम्पल के जरिए जांच कर दिखाई भी गई। डॉ. रुचि गुप्ता ने बताया कि जांच में जितनी जल्दी पुष्टि हो जाती है, उतनी जल्द मरीज का इलाज शुरू हो जाता है।

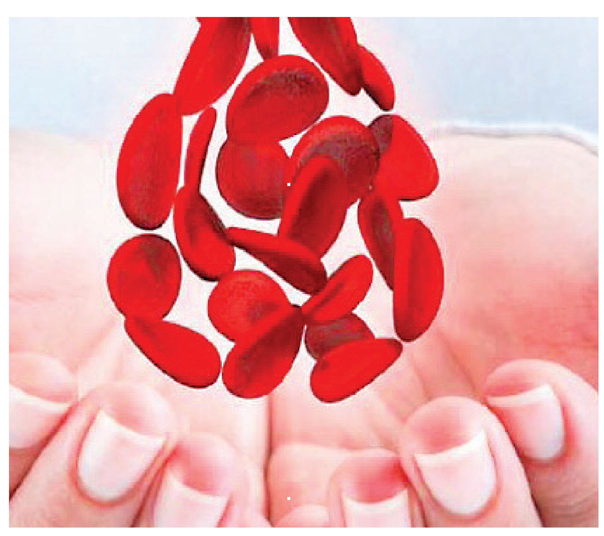

रेसिपी

आलू कचौड़ी

सामग्री

■ आलू: 7-8 उबले हुए ■ अदरक: 1/2 इंच (कद्दूकस किया हुआ) ■ हरी मिर्च: 2 (बारीक कटी) ■ हरी धनिया: बारीक कटी हुई ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1/4 चम्मच ■ अमचूर: 1/2 छोटा चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

आलू की कचौड़ी बनाने के लिए सबसे पहले बाउल में मैदा या आटा ले लेंगे। अब इसमें नमक, हल्का सा घी मिलाकर आटा गूंथ लेंगे। अब इसे थोड़ी देर सेट होने के लिए रख दें। स्टफिंग बनाने के लिए पैन में तेल गरम करें। अब इसमें जीरा डालें। इसके बाद बारीक कटी हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक डालें। हल्का सा भुन जाएं तब इसमें आलू डाल दें। अब इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला, अमचूर, नमक और हरी धनिया डालकर अच्छे से भुन लें। तैयार है कचौड़ी के लिए स्टफिंग। अब आटे की छोटी-छोटी लोईयां बनाएं और इसमें आलू की ये स्टफिंग भरें और अच्छे से लॉक कर हल्का सा बेल लें। अब कढ़ाही में तेल गर्म करें और इन कचौड़ी को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें।

हॉट एंड सॉर सूप

सामग्री

■ गाजर: 1(कद्दूकस की हुई) ■ पत्तागोभी: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ फूलगोभी: 2 कप (कद्दूकस की हुई) ■ बीन्स: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरा प्याज: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ शिमला मिर्च: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ मशरूम: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च: लंबी कटी, ■ अदरक: 1 छोटा चम्मच (बारीक कटी), ■ लहसुन: 1 छोटा चम्मच (कद्दकस की हुई) ■ सोया सॉस: 1 छोटा चम्मच ■ सफेद सिरका: 1 छोटा चम्मच ■ कॉर्न फ्लोर: 1 चम्मच ■ 4 कप पानी ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाही में तेल या बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालकर भुनें। गाजर, बीन्स, पत्तागोभी, फूलगोभी डालकर भुनें और थोड़ी देर बाद मशरुम और थोड़ी हरी प्याज डालें। अब पानी डालकर अच्छी तरह उबालें और साथ ही नमक और काली मिर्च भी डाल दें। सोया सॉस, चिली सॉस और विनेगर मिलाकर गैस बंद कर दें। बचे हुए हरे प्याज से गॉर्निश कर गरमा गरम सूप सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3926

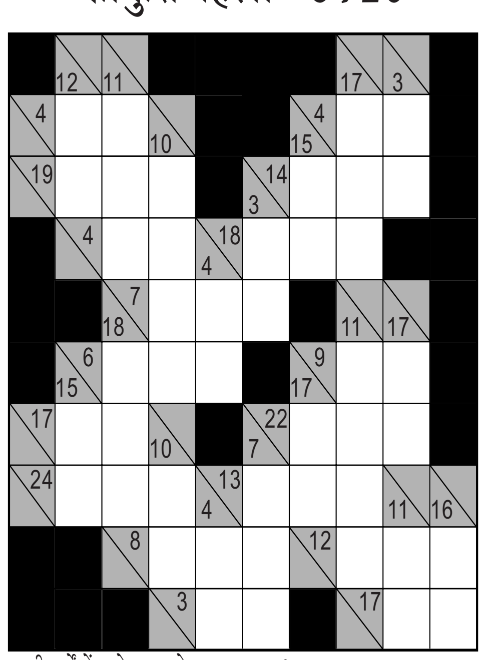

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

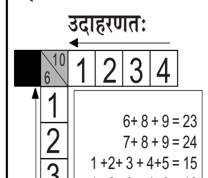

काकुरो - 3925 का हल

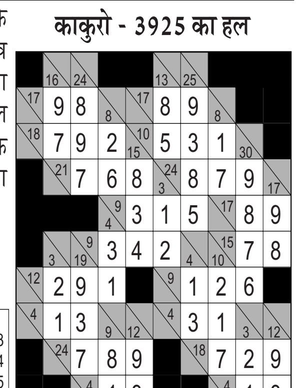

हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.
बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?
भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?
'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय,मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'
प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'
दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'
पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.
दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली- 3926

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चॉद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3925

को	ह	र		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
र	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	र		आ		त्मा		सा	ज	न
र	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	र	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	र		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

सूडोकु -3926

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3925 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -3926

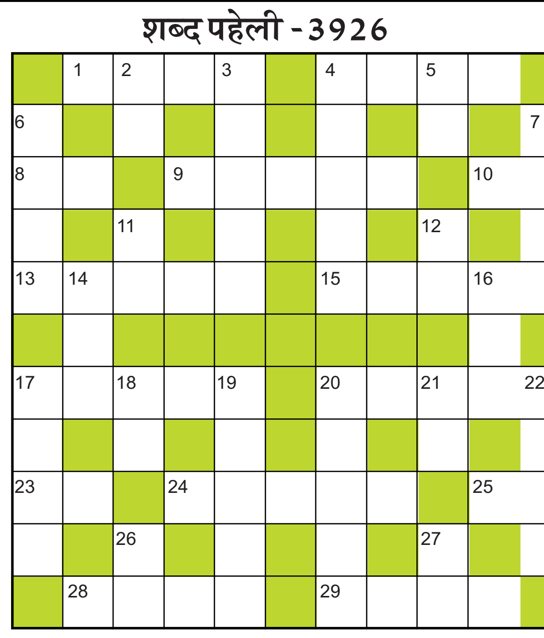

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -3925 का हल

	अ	ल	ख				मु	स्का	न	
ग	न्ना		रा	त	की	रा	नी		बी	च
ल			ब	ल		ह	म			म
त	न	खा		ना	मि	त		र	ह	न
	र	ज	नी		त्र		क	स	म	
	क		ड	ल		दा	म		व	
	गा	फि	ल		पा		ला	न	त	
स	मी	र		सु	रा	ही		म	न	न
म			म	म		न	र			र
य	क्ष		हा	ति	म	ता	ई		आ	म
	मा	लि	न				स	ई	स	

दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे बड़ा तोहफा

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में लगी है। इसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी, नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना जैसे सितारे हैं। हाल ही में इम्तियाज अली ने फिल्म की कहानी और युवाओं के इस फिल्म से जुड़ने को लेकर बात की। इम्तियाज अली का कहना है कि वे जब भी अखबार उठाते, तो उन्हें पता होता था कि वे विस्थापन और तबाही की सुर्खियों को बंटवारे की अपनी कहानी से जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने इस सोच को 'मैं वापस आऊंगा' फिल्म में साकार किया। यह फिल्म अतीत से वर्तमान और उपमहाद्वीप से लेकर बाकी दुनिया तक का सफर तय करती है।

इम्तियाज अली ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं लगातार पढ़ रहा था कि कहीं तबाही मची है, कहीं लड़ाई हो रही है और बहुत से लोग बेघर होकर शरणार्थी बन रहे हैं और अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैं यह सोचे बिना नहीं रह सका कि बंटवारे के समय भी ठीक ऐसा ही हुआ था'। हालिया रिलीज फिल्म को मिला रिस्पॉन्स शायद उनके लिए जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा है। युवा दर्शक शांति से बैठकर फिल्म और उसकी कहानी जुड़ रहे हैं, जिसमें एक 95 वर्षीय बुजुर्ग सरहद के उस पार छूटे अपने प्यार को याद कर रहा है।

'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'लव आज कल' और 'अमर सिंह चमकीला' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके इम्तियाज अली इन दिनों 'मैं वापस आऊंगा' के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सिनेमाघरों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक संतोषजनक अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि मैं जो कहना चाहता था, वह लोगों तक पहुंच गया है। मैंने कभी दर्शकों को फिल्म इतनी शांति से देखते हुए नहीं देखा। मेरी सभी सफल फिल्मों में भी, लोगों की आदत होती है कि वे इधर-उधर हिलते-डुलते रहते हैं। इस बार, वे सच में ध्यान दे रहे हैं, युवा लोग ध्यान दे रहे हैं। वे इतनी बड़ी संख्या में आ रहे हैं और फिल्म को इतना पसंद कर रहे हैं'।

रिश्तों पर अपनी खास समझ के लिए मशहूर डायरेक्टर इस बात से बहुत खुश हैं कि कहानी का मुख्य हिस्सा 'आत्मीयता और स्नेह', युवाओं को पसंद आया है। निर्देशक ने कहा, 'मैंने कई बार कहा है कि आज की पीढ़ी को थोड़ा खोया-खोया सा महसूस होता है, क्योंकि उन्हें ऐसा प्यार नहीं मिल पाता जो लंबे समय तक चले। इसे वे अपने दिल में संजोकर रख सकें, जैसे पुराने जमाने का प्यार या पुराना संगीत। वह चाहत, वह तड़प, किसी एक इंसान का साथ और उसके साथ रहना। वे इन चीजों से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं'। उन्होंने कहा कि यह फिल्म अलग-अलग पीढ़ियों के बीच के उन रिश्तों को खोजने के बारे में है, जिन्हें समझना हमारे आज के लिए जरूरी है।

'कावाला' गाने में अपने काम से खुश नहीं तमन्ना भाटिया

मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के हिट गाने 'कावाला' से देशभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। इस गाने में उनके डांस और अंदाज की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन अभिनेत्री का मानना है कि वह इसमें और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं।

हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात की और बताया कि उस समय उनके मन में क्या चल रहा था। दरअसल, निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए तमन्ना भाटिया के घर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने तमन्ना के करियर, उनके लोकप्रिय गानों और अभिनय के सफर को लेकर बातचीत की। बातचीत के दौरान जब 'कावाला' गाने का जिक्र आया, तो तमन्ना ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''जब इस गाने की शूटिंग पूरी हुई, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी।''

तमन्ना की बात सुनकर फराह खान ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''तमन्ना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह हमेशा अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं।''

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''तमन्ना उन लोगों में से हैं, जिन्हें हर बार लगता है कि वह और अच्छा कर सकती थीं।''

इस पर तमन्ना ने भी सहमति जताई और बताया कि वह अपने हर प्रोजेक्ट के लिए पूरी मेहनत करती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं ट्रेंड डांसर नहीं हूं, इसलिए किसी भी गाने के लिए मुझे पहले ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ती है।'' इसी बातचीत में तमन्ना ने अपने दूसरे चर्चित गाने 'आज की रात' का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, ''इस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी। मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टेप और हर एक्सप्रेशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।''

बता दें कि 'कावाला' गाने का म्यूजिक संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया था। इसके बोल अरुणराजा कामराज ने लिखे थे, जबकि इसे मशहूर गायिका शिल्पा राव ने गाया था। वहीं, 'स्त्री 2' फिल्म के सुपरहिट गाने 'आज की रात' का म्यूजिक सचिन-जिगर ने कंपोज किया था। इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे थे और इसमें मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने अपनी आवाज दी थी।

'जेलर 2' में होगा ऋतिक रोशन का धमाकेदार कैमियो

सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'जेलर 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी आई है। इस फिल्म में पहले शाहरुख खान एक कैमियो करने वाले थे, लेकिन समय की कमी और डेट्स की दिक्कत की वजह से अब उनकी जगह ऋतिक रोशन नजर आएंगे।

40 साल बाद साथ नजर आएंगे ऋतिक और रजनीकांत

ऋतिक रोशन और रजनीकांत पूरे 40 साल बाद एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इससे पहले दोनों साल 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में नजर आए थे, जिसमें ऋतिक ने एक बाल कलाकार के रूप में रजनीकांत के गोद लिए हुए बेटे का रोल निभाया था।

ऋतिक रोशन ने इस फिल्म के लिए हां कह दिया है। वे 22 और 23 जून को चेन्नई में अपने हिस्से की शूटिंग कर सकते हैं। फिल्म में उनका रोल एक्शन से भरपूर होगा और कहानी के लिए बहुत जरूरी होगा।

'जेलर 2' में पहले से ही मोहनलाल, शिव राजकुमार, विजय सेतुपति, मिथुन चक्रवर्ती, एसजे सूर्या, राम्या कृष्णन, विद्या बालन और योगी बाबू जैसे बड़े कलाकार शामिल हैं। अब ऋतिक के शामिल होने से फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है। अगस्त 2025 में आई फिल्म 'वॉर 2' के बाद ऋतिक का यह पहला प्रोजेक्ट होगा। ऋतिक हमेशा से रजनीकांत के साथ दोबारा काम करना चाहते थे, और इस फिल्म से उनका यह सपना पूरा हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं और इसे सन पिक्चर्स बना रही है। मेकर्स इस फिल्म को सितंबर 2026 में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

कल्कि 2898 एडी से दीपिका के अलग होने के बाद आलिया की एंट्री

बॉलीवुड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बनी हुई है। हाल ही में फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका के फिल्म से अलग होने के बाद आलिया भट्ट की इसमें एंट्री हुई है। आलिया के किरदार को लेकर भी तमाम अटकलें लग रही हैं।

अभी तक फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के मेकर्स ने आलिया भट्ट के नाम को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन सोशल मीडिया पर चर्चा है कि आलिया भट्ट फिल्म में वैष्णो देवी का किरदार निभा सकती हैं। वह फिल्म में सुमति (दीपिका पादुकोण का किरदार) के बच्चे की रक्षा करेंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट ने नाग अश्विन निर्देशित इस साइंस-फिक्शन और माइथोलॉजिकल फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, कुछ सीन्स उन्होंने शूट किए हैं। आलिया के फैंस जरूर इस बात को लेकर खुश है कि वह 'कल्कि 2898 एडी' का हिस्सा बन रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा है कि फिलहाल आलिया की कास्टिंग को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। गौरतलब है कि 'कल्कि 2898 एडी' में दीपिका पादुकोण ने बेहद अहम भूमिका निभाई थी। उनका किरदार कहानी की केंद्न माना गया था। सीक्वल में भी उसके बड़े विस्तार की उम्मीद थी लेकिन सितंबर 2025 में निर्माताओं ने बयान जारी कर बताया कि दीपिका अब फिल्म के दूसरे भाग का हिस्सा नहीं होंगी। मेकर्स ने अपने बयान में कहा था कि आपसी सहमति और काफी विचार-विमर्श के बाद दोनों पक्षों ने अलग रास्ते चुनने का फैसला किया है।

मैं हमेशा अर्थपूर्ण प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं

मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल की आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। यह फिल्म एक इमोशनल इंडो-पाक लव स्टोरी पर बेस्ड है, जिसमें प्यार, जुदाई और सीमाओं के बीच अधूरे रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान में हुई है। टीजर को चंडीगढ़ के एक इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों ने अपने अनुभव साझा किए। अभिनेत्री शहनाज गिल ने कहा, ''अच्छे कलाकारों के साथ काम करना हमेशा सीखने का मौका देता है और ऐसे अनुभव से कलाकार खुद को बेहतर बना पाते हैं। मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं, जो ज्यादा अर्थपूर्ण हों, ताकि अभिनय में और गहराई लाई जा सके।'' शहनाज ने कहा, ''मैं फिल्म में एक पाकिस्तानी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जिसका नाम टोरी है। वह बहुत ही मजबूत और साहसी लड़की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। यह भूमिका मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और अलग अनुभव रही है।''

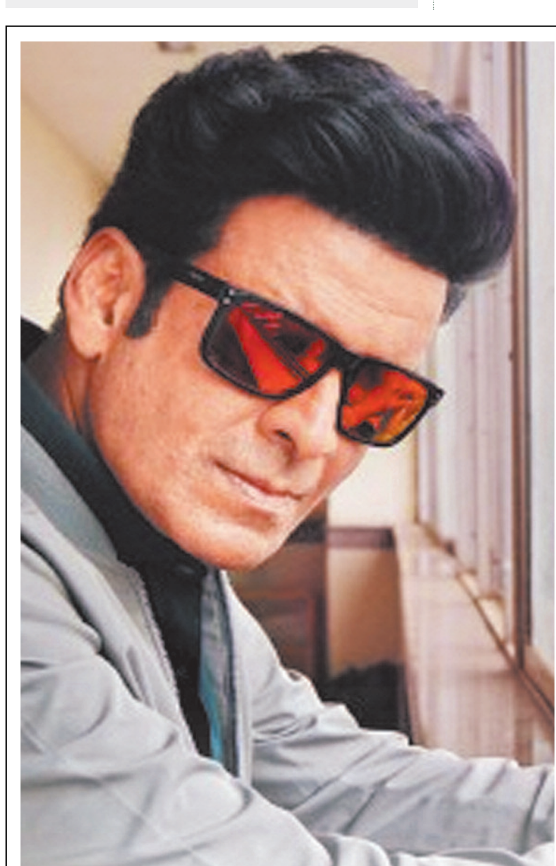

हॉलीवुड फिल्म मिलना ही बड़ी कामयाबी नहीं

भारत में अगर किसी कलाकार को छोटा सा भी हॉलीवुड प्रोजेक्ट मिल जाए, तो उसे बड़ी कामयाबी मान लिया जाता है। लेकिन मनोज बाजपेयी की सोच इससे बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि हम आज भी इस सोच से बाहर नहीं निकल पाए हैं कि पश्चिम जो कर रहा है, वही सबसे बेहतर है।

हम आज भी कॉलोनियल मानसिकता से बाहर नहीं आए

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'देखिए, वो एक मानसिकता है, जिसका शिकार हम हमेशा से रहे हैं। एक तरह की कॉलोनियल मानसिकता, जिसे हम आज तक पूरी तरह छोड़ नहीं पाए हैं। हमें हमेशा लगता है कि जो वो कर रहे हैं, वही बेहतर है...वही बड़ा है। हम लगातार उसी से मुकाबला करने की कोशिश करते रहते हैं।'

आज इंडस्ट्री में कई कलाकार विदेशी प्रोजेक्ट को बड़ी सफलता मानते हैं। लेकिन मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने कई बार हॉलीवुड के ऑफर ठुकरा दिए, क्योंकि काम उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा, 'बहुत बार हुआ है। अच्छे रोल्स नहीं आते हैं। और जब अच्छी फिल्में नहीं बन रही होती हैं, तो उसी तरह के लोग संपर्क करते हैं जो वहां भी बहुत अच्छा नहीं कर रहे होते। कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में बात बनते-बनते रह गई, लेकिन उसके बारे में क्या बात करनी।'

अगर कभी किताब लिखी, तो इसी पर लिखूंगा

मनोज बाजपेयी का कहना है कि अगर कभी उन्हें कुछ गंभीरता से लिखने का मौका मिला, तो वह भारतीय कलाकारों पर हॉलीवुड के असर को ही विषय बनाएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर कभी शिद्दत के साथ कुछ लिखना चाहूंगा, तो मैं इस बात पर लिखना चाहूंगा कि एक भारतीय अभिनेता कैसे पूरी तरह अमेरिकी या हॉलीवुड से प्रभावित एक्टिंग के असर से बच सकता है। क्योंकि हमारे यहां जो गंभीर क्रिटिक्स हैं, वो भी अक्सर अच्छी एक्टिंग का रेफरेंस हॉलीवुड को ही मानते हैं। जैसे अच्छी एक्टिंग का एक ही पैमाना हो। लेकिन ऐसा नहीं है। एक्टिंग के बहुत सारे रास्ते हैं... बहुत सारे ट्रैक हैं, और उनमें से किसी एक को ही अंतिम सच नहीं माना जा सकता।'

हमारे यहां एक्टिंग को लेकर सोच गलत है

मनोज बाजपेयी का मानना है कि भारत में अक्सर अंग्रेजी फिल्मों जैसी एक्टिंग को ही अच्छा अभिनय समझ लिया जाता है, जबकि यहां के लोगों का तरीका और व्यवहार बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, 'मेरी दिक्कत ये है कि एक्टिंग के नाम पर ज्यादातर लोग अंग्रेजी फिल्मों में जो देखते हैं, उसी को अच्छी एक्टिंग मान लेते हैं। लेकिन भारतीय अभिनय इसलिए अलग है क्योंकि यहां के लोगों के एक्सप्रेशन अलग हैं, बातचीत करने का तरीका अलग है, व्यवहार अलग है।'

मेरी फिल्मों में आपको हिंदुस्तानी आदमी दिखेगा

मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा कोशिश की कि उनके किरदार पूरी तरह भारतीय लगें, किसी विदेशी स्टाइल की कॉपी नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं लगातार इसी सोच पर काम करता रहा हूं। इसलिए अगर आप मेरी ज्यादातर फिल्में देखेंगे, तो आपको उनमें एक हिंदुस्तानी आदमी दिखाई देगा। वो ऐसा बिल्कुल नहीं लगेगा कि किसी और देश का किरदार निभाया जा रहा है और सिर्फ उसका नाम भारतीय रख दिया गया है। इसी वजह से 'सत्या', 'शूल' या खासकर 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्में इतनी खास हैं। ये बहुत खालिस भारतीय फिल्में हैं। उनके किरदार, उनके परफॉर्मेंस, उनकी भाषा, उनका व्यवहार- सब कुछ भारतीय समाज से निकलकर आता है। जब भी आप इस तरह की फिल्म बनाएंगे, तो उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिलेगी, क्योंकि उसमें अपनी अलग पहचान होगी।'

नए एक्टर्स को मनोज की सलाह

नई पीढ़ी के कलाकारों को मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि एक्टिंग सीखने के लिए बाहर देखने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले अपने आसपास के लोगों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। बेसिक ग्रामर तो आप सीख सकते हैं। उसके लिए आपको बहुत दूर जाने की जरूरत भी नहीं है। बस अपने आसपास के लोगों को देखिए, अपनी जिंदगी को देखिए। कोई भी आदमी यहां हॉलीवुड के किसी एक्टर या एक्ट्रेस की तरह बात नहीं करता। यही सबसे बुनियादी बात है। आप जिस परिवार से आते हैं, जिन लोगों के बीच बड़े हुए हैं, उनका व्यवहार देखिए। लोग एक-दूसरे से कैसे बात करते हैं, कैसे रिएक्ट करते हैं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।